



डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर

समाचारिकी
DR. SARVEPALLI RADHAKRISHNAN RAJASTHAN AYURVED UNIVERSITY, JODHPUR

आयुर्वेदात्मकं ज्योति शश्वतं नः प्रकाशताम्।

NEWSLETTER

वर्ष-1

अंक-1

7 अगस्त 2017



डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर की स्थापना मार्च 2003 में आयुर्वेद के क्षेत्र में श्रेष्ठ शिक्षण, श्रेष्ठ अनुसंधान एवं श्रेष्ठ चिकित्सा के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए की गई थी। वर्ष 2004 में विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित यूनिवर्सिटी कालेज ऑफ आयुर्वेद में बीएएमएस पाठ्यक्रम प्रारम्भ हुआ, साथ ही विश्वविद्यालय के आंगिक चिकित्सालय की भी स्थापना हुई। इसी वर्ष यूनिवर्सिटी आयुर्वेद नर्सिंग प्रशिक्षण केन्द्र में डीएनपी पाठ्यक्रम भी प्रारम्भ हुआ। उक्त दोनों संस्थाएं विश्वविद्यालय की मूल संकल्पना श्रेष्ठ शिक्षण, श्रेष्ठ अनुसंधान व श्रेष्ठ चिकित्सा कार्य के लिए विश्वविद्यालय से सम्बद्ध अन्य शिक्षण संस्थाओं हेतु आदर्श के रूप में स्थापित की गई थी। वर्ष 2014-15 में यूनिवर्सिटी कालेज ऑफ आयुर्वेद में तीन विषयों द्रव्यगुण विभाग, कायचिकित्सा व शल्यतंत्र में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारम्भ हुए। वर्ष 2016-17 से दो और विषयों पंचकर्म व स्त्री प्रसूति तंत्र में भी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में शिक्षण कार्य प्रारम्भ हो चुका है। 2004 से प्रारम्भ स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम में बीएएमएस में क्रमशः पहले 40 सीटों पर, फिर 50 पर, तदनन्तर 60 और अब वर्ष 2016-17 में 100 सीटों पर प्रवेश दिये जा रहे हैं। चिकित्सकों हेतु आयुर्वेद की तीन विशिष्ट विधाओं क्षारसूत्र, पंचकर्म व ओस्टियोपैथी और जरा रोग चिकित्सा में त्रैमासिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। वर्ष 2015-16 से विश्वविद्यालय परिसर में बी.एस.सी. आयुर्वेद नर्सिंग पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय परिसर में तीन विभिन्न विधाओं पंचकर्म तकनीकी सहायक, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा और ओस्टियोपैथी व मर्म चिकित्सा में एक वर्षीय सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के कड़वड़ स्थित परिसर में आवश्यक आधारभूत संरचना के अन्तर्गत महाविद्यालय, गेस्ट हाऊस, छात्र एवं छात्रा छात्रावास, अधिकारी/कर्मचारी आवास, केन्द्रीय पुस्तकालय, फार्मसी, पंचकर्म ब्लॉक, कैन्टीन के भवनों का निर्माण पूरा होकर इनका उपयोग हो रहा है। वर्तमान में स्नातकोत्तर छात्रा छात्रावास एवं चिकित्सालय में कॉटेज वार्ड के निर्माण का प्रगति पर है जिनके भी शीघ्र ही पूरा होने की कामना है। इनके अतिरिक्त कड़वड़ स्थित परिसर में राज्य सरकार द्वारा इन्डोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स एवं ऑडिटोरियम के निर्माण की सैद्धान्तिक सहमति दी जा चुकी है। इस हेतु बजट आबंटन होते ही इस पर कार्य प्रारम्भ कर दिया जाएगा। विश्वविद्यालय के ही एक नए यूनिवर्सिटी कालेज ऑफ यूनानी की स्थापना टोंक में की गई है। इसके भवन का निर्माण पूर्ण हो चुका है। वर्ष 2016-17 में इस महाविद्यालय में बीयूएमएस के पहले बैच में 50 छात्रों को प्रवेश देते हुए शिक्षण कार्य प्रारम्भ हो चुका है। जोधपुर के मगरा पूंजला स्थित सेठ कनिराम सालगराम राजकीय आयुर्वेद नर्स कम्पाउंडर प्रशिक्षण केन्द्र व इसके चिकित्सालय को राजस्थान सरकार द्वारा विश्वविद्यालय के अधीन किया गया है। इस चिकित्सालय को उच्चिकृत करते हुए इसको विश्वविद्यालय के सैटेलाइट चिकित्सालय के रूप में विकसित किया गया है। जिसमें विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञ जनसामान्य को चिकित्सा लाभ उपलब्ध करवा रहे हैं। विश्वविद्यालय के मगरा पूंजला स्थित परिसर में भी ऑडिटोरियम का निर्माण पूर्ण होने के कगार पर है। माननीय राज्यपाल, राजस्थान एवं विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति श्री कल्याण सिंह जी द्वारा 25-4-2015 को विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षान्त समारोह में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न संकायों की परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक व उपाधियां वितरित की गई थी और अब पुनः माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा दिनांक 18 अगस्त 2017 को विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षान्त समारोह में उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को स्वर्णपदक व उपाधि वितरण किया जाएगा। इस प्रकार 2004 में स्थापित यह विश्वविद्यालय अब राष्ट्रीय स्तर पर गौरवमयी स्वरूप को प्राप्त हो रहा है। विश्वविद्यालय से वर्तमान में राजस्थान राज्य में नौ आयुर्वेद, चार होम्योपैथी, तीन यूनानी, तीन योग व नैचुरोपैथी व अट्ठाईस आयुष नर्सिंग प्रशिक्षण क्षेत्र सम्बद्ध हैं। इन महाविद्यालयों में डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्यावारिधि पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं। विश्वविद्यालय छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु शैक्षणिक गतिविधियों का भी आयोजन करता है। इस क्रम में विश्वविद्यालय परिसर में समस्त सम्बद्ध संस्थाओं के छात्र-छात्राओं हेतु राज्य स्तरीय क्रीड़ा, सांस्कृतिक व साहित्यिक प्रतियोगिताओं का कार्यक्रम आयुर्विष्व आयोजित किया जाता है। पूर्व में वर्ष 2005, 2007, 2009 एवं 2013 में आयुर्विष्व का आयोजन किया गया था। इस वर्ष 13-20 फरवरी 2017 तक आयुर्विष्व -2017 का आयोजन किया गया।

संरक्षक
प्रो. डॉ. राधेश्याम शर्मा
कुलपति

प्रकाशक
तुलसीदास शर्मा
कुलसचिव

सम्पादक
डॉ. राकेश कुमार शर्मा
एसोसियेट प्रोफेसर, रचना शायरी

सह-सम्पादक
डॉ. मोनिका वर्मा
डॉ. अरुण दाधीच
डॉ. अनामिका सोनी

सम्पर्क :
डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय
कड़वड़, नागौर रोड, राष्ट्रीय राजमार्ग सं.-65
जोधपुर (राज.), रजिस्ट्रार : 0291-5153712
Fax : 0291-5153700
Email : rau_jodhpur@yahoo.co.in

इस प्रकार विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के बाद से क्रमिक विकास को प्राप्त करते हुए आज अपने आप में एक विकसित स्वरूप को प्राप्त हो रहा है। विश्वविद्यालय में वर्तमान में विभिन्न संकायों के अन्तर्गत लगभग दस हजार छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। इस विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण छात्र/छात्राएं केन्द्र अथवा राज्य सरकारों के अन्तर्गत विभिन्न संस्थाओं में चिकित्सक, शिक्षक अथवा अनुसंधानकर्ता के रूप में अध्ययन, अध्यापन एवं अनुसंधान के माध्यम से आयुर्वेद एवं अन्य भारतीय चिकित्सा पद्धतियों के विकास एवं पीड़ित जनसामान्य को रोगमुक्ति हेतु अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही उपरोक्त सेवाओं एवं इसके द्वारा अर्जित उपलब्धियों के जन सामान्य व चिकित्सा जगत में व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु इस त्रैमासिक समाचारिकी का प्रकाशन प्रारम्भ किया गया है। आशा है कि विश्वविद्यालय का यह प्रयास सुधिजनों द्वारा सराहा जायेगा।

प्रो. डॉ. राधेश्याम शर्मा
कुलपति

आर एन आई पंजीकरण प्रक्रियाधीन है।

कल्याण सिंह

राज्यपाल, राजस्थान



राजभवन

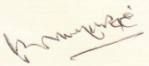
जयपुर - 302 006



संदेश

मुझे यह जानकारी प्रसन्नता हुई है कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर द्वारा त्रैमासिक समाचार पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

प्रकाशन के लिए शुभकामनाएं।



(कल्याण सिंह)

वसुन्धरा राजे

मुख्यमंत्री राजस्थान





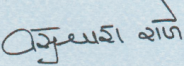
संदेश

मुझे प्रसन्नता है कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर अपनी त्रैमासिक समाचार पत्रिका 'डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् आयुर्वेद विश्वविद्यालय समाचारिकी' का प्रकाशन करने जा रहा है।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् जो शिक्षक से देश के राष्ट्रपति के सर्वोच्च पद पर आसीन हुए थे, उनका चिंतन यही था कि शिक्षक स्वयं का मूल्यांकन कर बालकों को सही राह पर ले जाने के लिए सक्षम बनें।

आयुर्वेद चिकित्सा हमारी प्राचीन धरोहर है इसे बिलुप्त होने से बचाना आवश्यक है। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति लोगों को जड़ से मिटाकर व्यक्ति को सम्पूर्ण स्वास्थ्य का तोहफा देती है। राज्य में ऐसी कई संस्थाएं हैं जो निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा उपलब्ध कराती हैं। यह सचमुच जनकल्याणकारी है। राज्य सरकार चिकित्सा एवं शिक्षा क्षेत्र में जन साधारण की सहभागिता को प्राथमिकता देती है। ऐसा सहयोग समाज में चेतना जगाने की दृष्टि से लाभदायक सिद्ध हुआ है। राज्य के विकास के लिए यह सहयोग अति आवश्यक है।

विश्वविद्यालय का डॉ. राधाकृष्णन् के पदचिन्हों पर चलते हुए आयुर्वेद को जन-जन तक पहुंचाने का यह प्रयास सराहनीय है। मैं त्रैमासिक समाचार पत्रिका की सार्थकता की कामना करती हूँ।



(वसुन्धरा राजे)

कालीचरण सराफ

मंत्री



6116, मंत्रालय भवन,
शासन सचिवालय,
जयपुर-302005 (राज.)
फोन नं. (नि.) 0141-2723333, 2724488
(का.) 0141-2227125
ई.पी.बी.एक्स. : 5153225 (विस्तार) 21268
स्वास्थ्य भवन : 0141-2220685, 5110738
फैक्स नं. : 0141-2227125



: संदेश :

मुझे यह जानकारी बेहद प्रसन्नता है कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् आयुर्वेद विश्वविद्यालय द्वारा आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति आमजन में जागरूकता हेतु त्रैमासिक समाचार पत्रिका 'डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् आयुर्वेद विश्वविद्यालय समाचारिकी' का शुभारम्भ किया जा रहा है।

मुझे विश्वास है कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् आयुर्वेद विश्वविद्यालय समाचारिकी" त्रैमासिक समाचार पत्रिका विश्वविद्यालय एवं इससे सम्बद्ध संस्थाओं की संपादित गतिविधियों के व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ ही आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के वैज्ञानिक एवं अनुसंधानात्मक ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने में प्रभावी भूमिका निभायेगी।

मैं, "डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् आयुर्वेद विश्वविद्यालय समाचारिकी" के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ।



(कालीचरण सराफ)
मंत्री

डॉ. आर. वेंकटेश्वरन

आई.एस.
प्रमुख शासन सचिव



आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा विभाग
राजस्थान सरकार
#2007, मुख्य भवन, शासन सचिवालय
जयपुर-302005

शुभकामना-संदेश

यह जानकारी अत्यन्त हर्ष हुआ कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर अपने त्रैमासिक न्यूजलेटर का प्रकाशन करने जा रहा है।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर आयुष चिकित्सा पद्धतियों के शिक्षण, अनुसंधान एवं चिकित्सा के क्षेत्र में निरन्तर विकास की ओर अग्रसर है। विश्वविद्यालय एवं इसकी सम्बद्ध संस्थाओं द्वारा इस हेतु विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का अनवरत संपादन किया जा रहा है। इन गतिविधियों एवं विश्वविद्यालय व इससे सम्बद्ध संस्थाओं द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही सेवाओं की जानकारी का प्रचार संवाद के माध्यम से ही संभव है। यह न्यूजलेटर आयुष-संस्थाओं के साथ संवाद स्थापित करने के लिये एक सेतु की भूमिका निभायेगा। इस हेतु विश्वविद्यालय द्वारा न्यूजलेटर का प्रकाशन प्रारम्भ किया जाना एक सराहनीय प्रयास है।

मैं इस हेतु विश्वविद्यालय परिवार को बधाई देता हूँ और इस न्यूजलेटर की सफलता की कामना करता हूँ।



(डॉ0 आर0 वेंकटेश्वरन)
प्रमुख शासन सचिव,
आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा पद्धति विभाग

सम्पादकीय

डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर की स्थापना का मूल उद्देश्य भारतीय चिकित्सा पद्धतियों, आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी के समुन्नयन, एवं जनसामान्य में प्रचार प्रसार हेतु एक आदर्श केन्द्र के रूप में अग्रणी भूमिका निभाना है। पावटा में एक सामान्य से भवन में प्रारम्भ इस विश्वविद्यालय की यशस्वी यात्रा झालामण्ड में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के परिवार कल्याण प्रशिक्षण संस्थान में अपनी शैशवावस्था के दौरान यूनिवर्सिटी कालेज ऑफ आयुर्वेद व यूनिवर्सिटी आयुर्वेद नर्सिंग प्रशिक्षण केन्द्र के गरिमामय प्रारम्भिक संचालन के बाद करवड़ स्थित परिसर में अपने वास्तविक स्वरूप को प्राप्त हो चुकी है।

कड़वड़ स्थित परिसर में माननीय कुलपति महोदय के अथक प्रयासों से गत वर्षों में त्वरित गति से निर्माण कार्य करवाये जा कर आज केन्द्रीय प्रशासनिक भवन, महाविद्यालय भवन, चिकित्सालय, केन्द्रीय पुस्तकालय, गेस्ट हाउस, छात्र एवं छात्रावास, फार्मसी, कर्मचारी एवं अधिकारी आवास, केन्टीन और विभिन्न भवन सम्बन्धी आधारभूत संरचनाएं भव्य स्वरूप में वर्तमान में उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय में कई नवीन पाठ्यक्रम बी.एस.सी आयुर्वेद नर्सिंग, पांच विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम, चिकित्सकों हेतु पंचकर्म, क्षारसूत्र व जरारोग इन तीन विधाओं में सर्टिफिकेट प्रशिक्षण कोर्स संचालित किये जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय द्वारा चार नये पाठ्यक्रम बी.एस.सी. आयुर्वेद नर्सिंग (स्नातक स्तर), पंचकर्म तकनीकी सहायक, ओस्टियोपैथी व मर्म चिकित्सा एवं योग व प्राकृतिक चिकित्सा में सर्टिफिकेट कोर्स प्रारम्भ किये गये हैं।

एण्टिबायोटिक्स के बढ़ते दुष्प्रभाव व इसकी कार्यक्षमता में कमी को देखते हुए गत कुछ वर्षों से आयुर्वेद व अन्य भारतीय चिकित्सा पद्धतियों की तरफ जनसामान्य के रुझान को देखते हुए शासन व वैज्ञानिकों की आयुर्वेद के विकास में बड़े स्तर पर रुचि बढ़ी है। आरोग्य मेला, रोज़गार के अवसरों में केन्द्र व राज्य स्तर पर वृद्धि, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की स्थापना, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों में आयुष विभाग का अलग से गठन आदि अनेक नए प्रकल्प प्रारम्भ किये गये हैं जो इस प्रसंग में केन्द्र व राज्य सरकारों की गम्भीरता को दर्शाते हैं। प्रख्यात चिकित्सक के रूप में प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय प्रो. डॉ. राधेश्याम शर्मा ने राजस्थान राज्य की यशस्वी मुख्यमंत्री माननीया वसुन्धरा राजे के चिकित्सक गुणिया रोग से ग्रस्त होने पर पूरी तरह आयुर्वेदीय चिकित्सा पद्धति के माध्यम से उनका ईलाज किया। माननीया मुख्यमंत्री को उनकी चिकित्सा से चमत्कारिक लाभ हुआ। माननीया मुख्यमंत्री द्वारा कई सार्वजनिक मंचों पर माननीय कुलपति महोदय द्वारा उन्हें ठीक करने पर भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। जिससे न केवल माननीय कुलपति महोदय के यश की वृद्धि हुई अपितु आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान पुनः जनसामान्य के मानस पटल पर अपनी छाप छोड़ने में सफल हुआ। इससे इस विधा से जुड़े विशेषज्ञों, छात्रों के आयुष पद्धतियों के प्रभावी होने और जनसामान्य के लिए उपयोगी होने में विश्वास की वृद्धि होगी एवं वे और अधिक मनोयोग से आयुर्वेद के अध्ययन, अनुसंधान व चिकित्सा में सन्तुष्ट होंगे। ऐसा मेरा पूर्ण विश्वास है।

डॉ. राकेश कुमार शर्मा
सम्पादक

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय समाचारिकी, 7 अगस्त 2017

प्रो० राधेश्याम शर्मा दूसरी अवधि हेतु पुनः विश्वविद्यालय के कुलपति नियुक्त

प्रो० राधेश्याम शर्मा को विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर दूसरी अवधि हेतु चयनित होने पर राजस्थान के माननीय राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति श्री कल्याण सिंह द्वारा पुनः उनकी नियुक्ति के आदेश जारी किये गये। तदनुसार प्रो० शर्मा ने दिनांक 19 फरवरी 2016 को कुलपति पद पर कार्यभार ग्रहण किया। अपने पूर्व कार्यकाल 26 मई 2011 से 16 सितम्बर 2015 तक प्रो० शर्मा ने विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में कई उल्लेखनीय कार्य किये जिनमें विश्वविद्यालय में विविध महाविद्यालय, केन्टीन, फार्मसी, पुस्तकालय, हॉस्टल, पंचकर्म ब्लॉक आदि के भव्य भवनों का निर्माण, स्नातकस्तरीय विविध नवीन पाठ्यक्रमों को मंजूरी, बीएएमएस प्रथम वर्ष में सीटों की वृद्धि, कायचिकित्सा, द्रव्यगुण, शल्यतंत्र में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का प्रारम्भ, विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों हेतु अन्तर्महाविद्यालय क्रीड़ा तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिता आयुर्विश्व-13 का आयोजन, विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षांत समारोह का आयोजन आदि प्रमुख हैं।



प्रो० शर्मा पंचकर्म चिकित्सा के विश्वविख्यात सिद्धहस्त चिकित्सक हैं। उनकी विशेषज्ञता को सम्मान देते हुए माननीया मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे द्वारा प्रो० शर्मा को मुख्यमंत्री सलाहकार समिति का सदस्य नियुक्त किया गया। प्रो० शर्मा इस परिषद में नियुक्त होने वाले आयुर्वेद समाज के पहले व्यक्ति हैं। देश विदेश की अनेक संस्थाओं में आप प्रमुख पदों पर निरन्तर सक्रिय रहते हुए आयुर्वेद के प्रतिमान के रूप में सुशोभित हैं।

अपने द्वितीय कार्यकाल की अभी तक की लघु अवधि में ही माननीय कुलपति महोदय की उपलब्धियों में पंचकर्म तथा स्त्रीरोग एवं प्रसूति तंत्र में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का प्रारम्भ, 6 और विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाने हेतु राज्य सरकार द्वारा एनओसी प्राप्ति व इस हेतु सीसीआईएम निरीक्षण प्रक्रिया का प्रारम्भ, बीएएमएस प्रथम वर्ष में 100 सीटों की वृद्धि, चिकित्सकों हेतु आमुखीकरण पाठ्यक्रमों का संचालन, विश्वविद्यालय में पंचकर्म केन्द्र के सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स के रूप में राजस्थान सरकार से उच्चीकरण की घोषणा एवं माननीया मुख्यमंत्री महोदया से इसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के करवड़ व मगरा पूंजला परिसर में वेलनेस सेन्टर की स्थापना, आगामी दिनांक 18 अगस्त 2017 को विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षान्त समारोह का आयोजन आदि प्रमुख रूप से उल्लेखनीय हैं।

विविध मेलों में विश्वविद्यालय की सहभागिता

दिनांक 13 दिसम्बर से 16 दिसम्बर 2016 तक बीकानेर में आयोजित राज्यस्तरीय आरोग्य मेले में विश्वविद्यालय की ओर से बृहद् स्तर पर सहभागिता की गयी। मेले में विश्वविद्यालय की ओर से प्रो० गोविन्द सहाय शुक्ल, प्रो० ओमप्रकाश दवे, डा० प्रेमप्रकाश व्यास, डा० राकेश शर्मा, डा० चन्द्रभान शर्मा, डा० दिनेश शर्मा, डा० देवेन्द्र चाहर, डा० ज्ञानप्रकाश शर्मा सहित विभिन्न विभागों के पी.जी. अध्येताओं ने अपनी सेवाएँ दी। इस मेले के उद्घाटन के अवसर पर विश्वविद्यालय के डा० चन्द्रभान शर्मा द्वारा की गयी विविध योगक्रियाओं की माननीया मुख्यमन्त्री महोदया द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी। मुख्यमन्त्री द्वारा मेले में विश्वविद्यालय द्वारा लगायी गयी पंचकर्मक्लीनिक, मधुमेहक्लीनिक, स्वर्णप्राशनइकाई और प्रकृतिपरीक्षणइकाई का निरीक्षण कर दी जा रही सेवाओं की मुक्तकण्ठ से सराहना की गयी। इस मेले के दौरान आयुर्वेद विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्री आर. वैकटेश्वरन महोदय ने भी अपना प्रकृति परीक्षण करवाया।



आर एन आई पंजीकरण प्रक्रियाधीन है।

दिनांक 17.12.2016 से 23.12.2016 तक जोधपुर के राजकीय उम्मेद स्टेडियम में राज्यसरकार के सुराजमेले में विश्वविद्यालय की ओर से दो दिवसीय सहभागिता की गयी। इस मेले में स्नातकोत्तर कायचिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष डा० प्रमोद कुमार मिश्रा, स्नातकोत्तर स्त्रीरोग एवं प्रसूतितंत्रविभाग की डा० रश्मि शर्मा, स्नातकोत्तर शल्यतंत्र विभाग एवं विभिन्न विभागों के पी.जी शोध अध्येताओं ने प्रदर्शनी के आयोजन में अपनी सेवाएँ देते हुए रोगियों को चिकित्सीय लाभ दिया। माननीय मुख्यमंत्री महोदया श्रीमती वसुन्धरा राजे ने मेले में भ्रमण के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा लगाई गई स्टॉल का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने आयुर्वेदचिकित्सा के विविध पक्षों पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० राधेश्याम शर्मा से विस्तृत जानकारी ली।



दिनांक 9 से 11 नवम्बर 2016 में जयपुर में आयोजित 'ग्लोबल एगोटेक मीट' में विश्वविद्यालय की मुखर सहभागिता रही। विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करवायी जा रही सेवाओं की मुख्यमन्त्री महोदया ने मुक्तकण्ठ से प्रशंसा करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राधेश्याम शर्मा से विविध विषयों पर चर्चा की। इस मीट में विश्वविद्यालय के द्रव्यगुणविभाग द्वारा औषधीय पादपों के महत्त्व को दर्शाने के लिए प्रदर्शनी लगायी गयी तथा मेले में आने वाले जनसमूह को चिकित्सीय लाभ दिया गया।



दिनांक 21.3.2017 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (AFRI) जोधपुर द्वारा आयोजित किसान मेले में विश्वविद्यालय की ओर से सहभागिता की गयी। इस मेले में द्रव्यगुण विभाग के विभागाध्यक्ष डा. चन्दन सिंह द्वारा मेले में उपस्थित किसानों को औषधीय पादपों के उत्पादन, उनके संरक्षण एवं उनके विभिन्न औषधीय गुणों के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी। पंचकर्म विभागाध्यक्ष डा. महेश शर्मा एवं स्त्री एवं प्रसूति रोग की सहायक आचार्या डा. रश्मि शर्मा द्वारा मेले में उपस्थित जन सामान्य को निःशुल्क चिकित्सीय परामर्श उपलब्ध करवाया गया एवं निःशुल्क औषधियों का वितरण किया गया।

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी

राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर के सहयोग से दिनांक 7.1.2016 को विश्वविद्यालय के मौलिक सिद्धान्त विभाग द्वारा "संस्कृत साहित्य में विकीर्ण आयुर्वेद" इस विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल, गुजरात के कुलपति प्रो० अर्कनाथ चौधरी, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के विजिटिंग प्रोफेसर प्रो० श्रीकृष्ण शर्मा, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर की संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो० प्रभावती चौधरी, प्रो० नरेन्द्र अवस्थी, प्रो० सत्यप्रकाश दुबे, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में स्वस्थवृत्त विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० कमलेश शर्मा, गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जामनगर के प्रो० महेश व्यास आदि विद्वानों द्वारा सहभागिता की गई।

विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा देश भर में विविध आयोजनों में व्याख्यानों की प्रस्तुति

दिनांक 1 दिसम्बर 2016 से 4 दिसम्बर 2016 तक कोलकाता में "Strengthening the Ayurveda Ecosystem" थीम पर आयोजित सप्तम "World Ayurveda Congress" में माननीय कुलपति महोदय द्वारा "Advances in Panchkarma Kriyakalpa" विषयक सत्र में अध्यक्षता की गयी, साथ ही पंचकर्मविषयक विशिष्टव्याख्यान दिया गया।

दिनांक 13 से 16 दिसम्बर 2016 तक बीकानेर में आयोजित राज्यस्तरीय आरोग्य मेले में माननीय कुलपति महोदय द्वारा "Application of Panchkarma for Medical Officers in their day to day Practice" विषय पर प्रभावशाली व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

दिसम्बर 2016 में मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर में आयोजित नवनियुक्त चिकित्सकों के आमुखीकरण कार्यक्रम में माननीय कुलपति महोदय द्वारा "पंचकर्म के प्रयोग, नवीन रोगों के सन्दर्भ में" विषय पर व्याख्यान दिया गया। इसी कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर कायचिकित्सा विभागाध्यक्ष डा० प्रमोद कुमार मिश्रा द्वारा Hospital Management पर एवं विश्वविद्यालय में रोग एवं विकृति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ० अरुण दाधीच ने "Various Lab. investigations & Imaging techniques" विषय पर व्याख्यान दिया।

NIFT Jodhpur में 29 जुलाई 2016 में नवागन्तुक छात्र-छात्राओं के Orientation कार्यक्रम में "आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के सिद्धान्त" विषय पर कायचिकित्सा विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनामिका सोनी द्वारा अतिथि व्याख्यान दिया गया।

विश्वविद्यालय में रचना शारीर विभाग में एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने अखिल भारतीय शारीर शोध संस्थान, लखनऊ द्वारा दिनांक 1-2 अक्टूबर 2016 में "Dispersing the Controversial Areas in Shareer" थीम पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में "Siranam Sarvavahatvam- An Analysis" विषय पर अपना व्याख्यान दिया। डॉ. शर्मा द्वारा ही गुजरात प्रदेश के वलसाड में श्री मुक्तानन्द संस्कृत महाविद्यालय एवं राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, मुम्बई द्वारा दिनांक 31 दिसम्बर 2016 से 2 जनवरी 2017 को आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में "Role of Mantras in Human Health" विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर द्वारा दिनांक 01.02.2017 से 10.02.2017 तक माघ महोत्सव का आयोजन किया गया। इस महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला के अन्तर्गत दिनांक 10 फरवरी 2017 को जयपुर में आयोजित संस्कृत सम्मेलन में विश्वविद्यालय के मौलिक सिद्धान्त विभाग में सहायक आचार्या डॉ. मोनिका वर्मा ने 'संस्कृत के घर-परिवार में किस तरह के अभाव हैं' इस विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

विश्वविद्यालय में अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

दिनांक 9.11.2016 को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के निदेशक प्रो० संजीव कुमार शर्मा द्वारा Sushruta's Contribution in Present Context विषय पर प्रभावी अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी कालेज आफ आयुर्वेद प्रांगण के सभाकक्ष में स्नातकोत्तर कायचिकित्सा विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में

अहमदाबाद में अखण्डानन्द आयुर्वेद महाविद्यालय में लेक्चरर एवं थैलीसीमिया रिसर्च यूनिट के सहप्रभारी डा. राम शुक्ल ने अजारक्तबस्ति पर एक महत्वपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया।

मुम्बई में स्वास्थ्य के क्षेत्र में सराहनीय सेवाएं दे रहे स्वयंसेवी डा० पीयूष सक्सेना ने लीवर के शुद्धिकरण पर एक प्रभावशाली एवं विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो० राधेश्याम शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय में शीघ्र ही इस पद्धति पर परीक्षण कर इसे रोगियों के उपचारार्थ प्रयोग में लाया जायेगा।

दिनांक 30.12.2016 एवं 31.12.2016 को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर के निदेशक प्रो. संजीव शर्मा द्वारा "First Aid for Injured Person" विषय पर दो व्याख्यान दिये गये।

दिनांक 28.01.2017 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) जोधपुर में शल्यतंत्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ महेन्द्र लोढ़ा ने विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर शल्यतंत्र विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यानमाला में Anorectal disorders विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

दिनांक 11.02.017 को राजीव गाँधी राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेद महाविद्यालय, पपरोला (हि.प्र.) के स्नातकोत्तर शल्यतंत्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रमेश आर्य ने Role Of Ksharsutra in Anorectal Disorders विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

दिनांक 22.2.2017 को जोधपुर के प्रख्यात सर्जन डॉ. पी.सी गुप्ता ने General Concept of Anorectal Surgery विषय पर व्याख्यान दिया।

दिनांक 23.02.2017 को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर के स्नातकोत्तर शल्यतंत्र विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो.श्यामसुन्दर शर्मा ने Complication of Anorectal Surgery विषय पर व्याख्यान दिया।

इन सभी व्याख्यानों में बड़ी संख्या में संकाय सदस्य, स्नातकोत्तर एवं स्नातक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह का आयोजन

भारत सरकार द्वारा धन्वन्तरि त्रयोदशी को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के रूप में मनाये जाने की घोषणा के परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी कालेज ऑफ आयुर्वेद में दिनांक 28.10.2016 को धन्वन्तरि अवतरण पर्व के अवसर पर “राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस” समारोहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष माननीय कुलपति प्रो० राधेश्याम शर्मा ने विधिविधान पूर्वक भगवान धन्वन्तरि के पूजन, अर्चन से कार्यक्रम की शुरुआत की। समारोह के मुख्य अतिथि जोधपुर शहर के महापौर श्री घनश्याम ओझा ने सभी को शुभकामनाएँ देते हुए बालकों के लिए विशेष उपयोगी स्वर्णप्राशन संस्कार प्रकल्प का उपस्थित बालकों को विशेष रूप से तैयार की गयी औषधि पिला कर शुभारम्भ किया। यह औषधि दस वर्ष की आयु तक के बालकों को प्रत्येक पुष्यनक्षत्र में पिलाये जाने का प्रावधान है। इससे बालकों में रोग प्रतिरोधक क्षमता व मेधा की प्रखरता उत्पन्न होती है। इस अवसर पर समारोह में सम्मिलित जिला कलक्टर विष्णुचरण मल्लिक ने कहा कि आयुर्वेद एक प्रभावशाली चिकित्सापद्धति है तथा समाज में स्वास्थ्य के क्षेत्र में इसकी उपादेयता सदैव ही रही है। समारोह के विशिष्ट अतिथि सम्भागीय आयुक्त श्री रतन लाहोटी ने इस अवसर पर सभी को शुभकामनाएँ देते हुए सर्वसुलभ, निरापद व सम्पूर्ण चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद को अपनाने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की कुलसचिव श्रीमती वीना लाहोटी, प्राचार्य प्रो० गोविन्द सहाय शुक्ल सहित संकाय सदस्य, स्नातक एवं स्नातकोत्तर वर्ग में अध्ययनरत सभी छात्र-छात्राएँ तथा अनेक नागरिक उपस्थित थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सामने स्थित राज मार्ग पर मानव शृंखला बनाकर एवं विश्वविद्यालय परिसर में रैली निकालकर आयुर्वेद के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा हेतु जन सामान्य को जागरूक किया गया।



चिकित्सालय में विभिन्न चिकित्सा इकाईयों (क्लीनिक) का शुभारम्भ

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर दिनांक 28.10.2016 को माननीय कुलपति प्रो० राधेश्याम शर्मा ने विश्वविद्यालय के कड़वड़ परिसर स्थित चिकित्सालय में कैंसर क्लीनिक तथा मधुमेह क्लीनिक का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रो० राधेश्याम शर्मा ने कहा कि आज की बदली हुई जीवनशैली के कारण मधुमेह रोग महामारी का रूप धारण कर चुका है। कैंसर रोग के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह एक खतरनाक रोग है और धीरे-धीरे लोगों को अपने शिकंजे में जकड़ रहा है। आयुर्वेद में ऐसे अनेक शास्त्रीय उपचार हैं जिनके द्वारा इन रोगों की रोकथाम प्रभावी रूप से की जा सकती है। कुलपति महोदय ने मधुमेह क्लीनिक के प्रभारी डा० ब्रह्मानन्द शर्मा तथा कैंसर क्लीनिक की प्रभारी डा० अनामिका सोनी को शुभकामनाएँ प्रदान करते हुए मनोयोग से रोगियों की चिकित्सा हेतु प्रेरित किया।

कैंसर रिसर्च यूनिट में माननीय कुलपति महोदय के निर्देशन में यूनिट प्रकाशन डॉ. अनामिका सोनी द्वारा एक नवीन शोध कार्य 'A Pilot study on role of an Indigenous Anti-cancer Compound in patients of Cancer' प्रारम्भ किया गया है। इसके अन्तर्गत कैंसर रोगियों का विश्वविद्यालय द्वारा तैयार एक विशेष योग से उपचार किया जा रहा है जिसके माध्यम इस रोग के उपचार में उल्लेखनीय सफलता मिलने की आशा है।

विद्यावारिधि Viva परीक्षा का आयोजन

दिनांक 23.12.2016 को माननीय कुलपति प्रो० राधेश्याम शर्मा के निर्देशन में पी.एच.डी. कर रहे अध्येता डा० के.वी. नरसिंह राजू द्वारा "Clinical Study on the effect of Vaman & Virechan with & without Shilajit Yoga in the Management of Madhumeha WSR to Diabetes" पर यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद के सभागार में Viva परीक्षा दी गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में संकाय सदस्य एवं स्नातकोत्तर अध्येता उपस्थित थे। Viva परीक्षा हेतु बाह्य परीक्षक के रूप में प्रो० राज्यवर्धन सिंह राय उपस्थित थे। अन्त में Viva परीक्षा में सफल रहने पर डॉ० राजू को पी.एच.डी. की उपाधि प्रदान की गई।

पुस्तक विमोचन

दिनांक 28.10.2016 को विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी कालेज ऑफ आयुर्वेद में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष में आयोजित समारोह में शरीर क्रिया विभाग में एसोसिएट प्रो. डॉ० राजेश शर्मा तथा इसी विभाग में असिस्टेंट प्रो. डॉ० दिनेश शर्मा द्वारा लिखित पुस्तक 'शरीर क्रिया विज्ञान' का विमोचन माननीय कुलपति प्रो० राधेश्याम शर्मा, महापौर घनश्याम ओझा, संभागीय आयुक्त श्री रतन लाहोटी, जिला कलेक्टर विष्णुचरण मल्लिक, कुलसचिव वीणा लाहोटी के कर कमलों द्वारा किया गया।

विश्वविद्यालय के शरीर रचना विभाग में एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. राकेश कुमार शर्मा द्वारा एवं अन्य शारीर विदों के सहलेखन में लिखित पुस्तक Elements of Rachana Sharir का विमोचन लखनऊ में आयोजित समारोह में उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री राम नाईक, उत्तर प्रदेश सरकार में पूर्व मंत्री श्री लालजी टण्डन एवं अखिल भारतीय शारीर संस्थान लखनऊ के निदेशक प्रो. डी.जी. थत्ते के करकमलों द्वारा किया गया।

दिनांक 20.02.2017 को क्रिया शारीर विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा तथा क्रिया शारीर में सहायक आचार्य डॉ. दिनेश शर्मा द्वारा लिखित पुस्तक शरीर क्रिया विज्ञान भाग-2 का विमोचन अन्तर महाविद्यालय क्रीड़ा महोत्सव 'आयुर्विश्व-2017' के समापन अवसर पर माननीय कुलपति प्रो. राधेश्याम शर्मा के कर-कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ।



विश्वविद्यालय में ध्यानयोग का आयोजन

विश्वविद्यालय के प्रशासनिक खण्ड में दिनांक 21 सितम्बर 2016 को ध्यानयोग का आयोजन किया गया इसमें हार्टफुलनेस संस्था की इन्चार्ज एवं जयनारायणव्यास विश्वविद्यालय के प्राणिशास्त्रविभाग में आचार्य पद पर कार्यरत प्रो० विमला शैरॉन द्वारा ध्यानयोग करवाया गया तथा इसके लाभ बताये गये। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी संकाय सदस्य एवं स्नातकोत्तर अध्येताओं ने भाग लिया।

स्वच्छता पखवाड़ा

विश्वविद्यालय प्रांगण में स्वच्छ-भारत अभियान के तहत 4 अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2016 तक स्वच्छता पखवाड़ा अभियान का शुभारम्भ कुलपति प्रो० राधेश्याम शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों को प्रेरित करते हुए प्रो० राधेश्याम शर्मा ने कहा कि स्वच्छता में समृद्धि निवास करती है, इसलिए हमें न केवल विश्वविद्यालय परिसर अपितु विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर भी स्वच्छता हेतु जनजागरण के प्रयास करने चाहिए।



संविधान दिवस

विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी कालेज ऑफ आयुर्वेद महाविद्यालय प्रांगण में दिनांक 26.11.2016 को संविधान दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यवक्ता राजस्थान उच्चन्यालय के अधिवक्ता श्री बंशीलाल भाटी ने भारतीय संस्कृति की महनीयता को प्रस्तुत करते हुए विश्व के सबसे बड़े लोककल्याणकारी राज्य भारत के संविधान के गौरवमयी इतिहास और विपुलता को रेखांकित किया और संविधान किस प्रकार कदम-कदम पर विभिन्न संशोधनों के माध्यम से व्यवस्थाएँ प्रदान करता है, उन विविध संशोधनों और वर्तमान में प्रस्तावित संविधान संशोधनों पर विस्तार से बताया। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद के प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल ने मुख्य वक्ता का अभिनन्दन करते हुए ऐसे आयोजनों को राष्ट्रीयता की भावना विकसित करने हेतु प्रासंगिक बताया है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संकाय सदस्य एवं छात्र एवं छात्राएं उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय में परदेशी पावणे

वैश्विक पटल पर आयुर्वेद के एक प्रमुख केन्द्र के रूप में डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय तेजी से अपनी पहचान बना रहा है। इससे प्रभावित होकर कई विदेशी दल इस विधा के बारे में ज्ञान व जानकारी लेने हेतु विश्वविद्यालय में निरन्तर आते रहे हैं। हाल ही ब्रिटेन के एक दल ने विश्वविद्यालय के महाविद्यालय एवं चिकित्सालय का भ्रमण किया। आयुर्वेद जैसी प्राकृतिक एवं निरापद व असरदार चिकित्सापद्धति के माध्यम से चिकित्सालय में रोगियों को उपलब्ध करवायी जा रही प्रभावी सेवाओं को देखकर तथा आयुर्वेद के सिद्धान्तों पर चर्चा करके परदेशी पावणे अत्यन्त अभिभूत हुए।

इसी प्रकार में कोरिया के एक न्यूजचैनल हबनेट के प्रतिनिधि मंडल ने विश्वविद्यालय के महाविद्यालय, चिकित्सालय और हर्बल गार्डन का भ्रमण कर आयुर्वेद से सम्बन्धित विभिन्न जानकारीयों का संग्रहण किया।



आयुर्वेद विभाग के प्रमुख शासन सचिव का विश्वविद्यालय आगमन

राजस्थान सरकार के आयुर्वेद विभाग के नवनियुक्त प्रमुख शासन सचिव श्री आर. वैकटेश्वरन् ने पदभार सम्भालने के पश्चात् विश्वविद्यालय का दौरा किया एवं यहाँ उपलब्ध करवायी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। माननीय कुलपति महोदय ने सचिव महोदय का स्वागत करते हुए उन्हें आयुर्वेद महाविद्यालय, चिकित्सालय, रसायनशाला, पुस्तकालय भवन, हर्बल गार्डन आदि विश्वविद्यालय के विभिन्न संघटकों का भ्रमण करवाया। प्रमुख शासन सचिव महोदय ने विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त विविध सेवाओं की मुक्त कण्ठ से सराहना की।



प्रशिक्षण शिविर

विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी कालेज ऑफ आयुर्वेद के प्रांगण में दिनांक 1.12.2016 को स्नातकोत्तर पंचकर्मविभाग द्वारा चिकित्सकों हेतु पंचकर्म के त्रैमासिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद के प्राचार्य प्रो० गोविन्द सहाय शुक्ल ने प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि पंचकर्म का यह प्रशिक्षण प्रतिभागी चिकित्सकों के चिकित्साकर्म को और अधिक दक्षता प्रदान करेगा जिसका लाभ पीड़ित समाज को मिलेगा। स्नातकोत्तर पंचकर्म के विभागाध्यक्ष डा० महेश शर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे चिकित्सकों ने प्रशिक्षण काल के अपने अनुभव साझा किये।

दिनांक 1.12.2016 से प्रारम्भ विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर शल्यतंत्रविभाग में चिकित्सकों हेतु त्रैमासिक क्षारसूत्र प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह दिनांक 28.2.2017 को आयोजित किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. ओमप्रकाश दवे ने बताया त्रैमासिक प्रशिक्षणकाल में चिकित्सकों को रोगियों पर क्षारसूत्र के प्रायोगिक प्रशिक्षण के साथ विषय विशेषज्ञों द्वारा विशेष व्याख्यान के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद में नवीन स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों को मंजूरी

माननीय कुलपति प्रो. राधेश्याम शर्मा के अनुरोध पर राजस्थान की यशस्वी मुख्यमंत्री माननीया श्रीमती वसुन्धरा राजे द्वारा वर्ष 2017 के बजट सत्र में विश्वविद्यालय में रचना शारीर, क्रियाशारीर, कौमारभृत्य, अगदतंत्र, स्वस्थवृत्त एवं रसशास्त्र एवं भैषज्यकल्पना विभाग में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने की घोषणा की गई है। इस घोषणा से सत्र 2018-19 से विश्वविद्यालय में अब पूर्व में संचालित 5 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम सहित कुल 11 विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम का संचालन प्रारम्भ हो जायेगा। दिनांक 26 जुलाई 2017 को CCIM के दल ने इस हेतु यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद परिसर एवं अस्पताल परिसर का आकस्मिक निरीक्षण किया एवं उपलब्ध संसाधनों का गहन निरीक्षण किया।

गत वर्ष CCIM के निरीक्षण दल के निरीक्षण उपरान्त सन्तुष्ट होने पर भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा सत्र 2016-17 से विश्वविद्यालय में स्नातक स्तरीय BAMS पाठ्यक्रम की सीट 60 से बढ़ाकर 100 करने एवं दो नये विषयों स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र व पंचकर्म विषय में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने की स्वीकृति प्रदान की गई थी।

इसी प्रकार गत वर्ष CCIM के निरीक्षण दल के निरीक्षण उपरान्त सन्तुष्ट होने पर भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा टोंक के यूसुफपुरा, चराई में स्थित विश्वविद्यालय के यूनानी कॉलेज के प्रथम शैक्षणिक सत्र हेतु 2016-17 में 50 सीटों पर प्रवेश की अनुमति दी गई। तदनुसार विश्वविद्यालय द्वारा उक्त महाविद्यालय में सत्र 2016-17 हेतु प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न हुई।

विभिन्न पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं प्रारम्भ

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जाने वाली BAMS, BHMS, BUMS, BNYS, B.Sc. (Ayurved Nursing) तथा DAN & P पाठ्यक्रम की विभिन्न परीक्षाएँ दिनांक 24 मई 2017 से प्रदेश भर में स्थापित विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर प्रारम्भ हुई। इस अवसर पर विभिन्न छात्र-छात्राओं ने परीक्षार्थियों को तिलक लगा कर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेशपरीक्षा की सूचना जारी

विश्वविद्यालय द्वारा BAMS, BHMS, BUMS, BNYS, B.Sc. (Ayurved Nursing) तथा DAN & P पाठ्यक्रमों में सत्र 2017-18 में प्रवेश हेतु विज्ञप्ति जारी कर दी है। इस हेतु योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। B.Sc. (Ayurved Nursing) के अतिरिक्त अन्य स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आयोजित की जाने वाली प्रवेशपरीक्षा दिनांक 13 अगस्त 2017 को राजस्थान में प्रमुख शहरों में एवं दिल्ली में स्थापित विभिन्न केन्द्रों पर आयोजित की जा रही है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों (PHC) पर वैलनेस सेन्टर (आरोग्य केन्द्र)स्थापित किये जाने की स्वीकृति

मुखमंत्री सलाहाकार परिषद्, राजस्थान के सदस्य डा० सर्वपल्ली राधाकृष्णन आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० राधेश्याम शर्मा की सलाह पर राजस्थान की मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे ने राज्य के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर वैलनेस सेन्टर की स्थापना को स्वीकृति प्रदान की। तदनुसार प्रो० शर्मा द्वारा सुझाए गये इस महत्वपूर्ण नवाचार के रूप में सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में इसी वर्ष से वैलनेस सेन्टर प्रारम्भ कर दिये गये हैं। विश्वविद्यालय में भी इसी क्रम में मगरा पूंजला व करवड़ स्थित परिसरों में वैलनेस सेन्टर प्रारम्भ हो चुके हैं। जिनके माध्यम से जन सामान्य को विभिन्न यौगिक क्रियाओं का नियमित अभ्यास करवाया जाकर निरोगी रहने हेतु प्रेरित किया जा रहा है।

स्वर्णप्राशन संस्कार का शुभारम्भ

माननीय कुलपति महोदय के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के कौमारभृत्य विभाग के एसोसियेट प्रोफेसर डा० प्रेमप्रकाश व्यास तथा असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. हरीश सिंहल द्वारा विविध गुणकारी औषधियों से स्वर्णप्राशन औषधि निर्मित करवायी गयी है। ये औषधि 16 वर्ष तक की आयु के बच्चों को पुष्य नक्षत्र में पिलाई जाती है। यह स्वर्णप्राशन संस्कार बालकों के शारीरिक तथा मानसिक विकास में चमत्कारिक रूप से लाभकारी है। दिनांक 28.10.2016 को धन्वन्तरि जयन्ती को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के पावन अवसर पर नवाचार के रूप में इस विधा का प्रारम्भ माननीय कुलपति महोदय, जोधपुर नगर के प्रथम नागरिक श्री घनश्याम ओझा, जिला कलक्टर विष्णुचरण मल्लिक, संभागीय आयुक्त रतन लाहोटी एवं कुलसचिव श्रीमती वीणा लाहोटी के सानिध्य में उपस्थित बालकों को प्रथम खुराक पिला कर किया गया।

प्रत्येक पुष्य नक्षत्र के अवसर पर नियमित रूप से विश्वविद्यालय के कड़वड़ एवं पूंजला परिसर स्थित चिकित्सालयों, विश्वविद्यालय के गोद लिये गांव घडाव और विश्वविद्यालय व श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ के संयुक्त तत्त्वावधान में शहर का हृदय कहे जाने वाले सरदारपुरा स्थित नेहरु पार्क स्थित

श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ के भवन में स्वर्ण प्राशन शिविर लगाये जा रहे हैं। इन शिविरों में अब तक 11,658 बालकों को स्वर्णप्राशन की खुराक पिलाई गई है। शिविरप्रभारी एवं बालरोग विभागाध्यक्ष डॉ प्रेमप्रकाश व्यास ने बताया कि इन शिविरों में नगरवासियों का अपूर्व उत्साह देखने में आया और जनमानस में इसके सकारात्मक परिणामों को लेकर जोश है। बालरोग विभाग में सहायक आचार्य डॉ हरीश सिंहल के अनुसार इन शिविरों में स्वर्णप्राशन की खुराक पिलाने के साथ-साथ प्रतिमाह पंजीकृत बालकों के स्वास्थ्य की जांच भी की जाती है। स्वर्णप्राशन की इस खुराक से बालकों की रोगप्रतिरोधकक्षमता में सुधार आया है।



स्वर्णप्राशनप्रकल्प के आगामी शिविर पुष्य नक्षत्र की आगामी तिथियों 20-8-2017, 16-9-2017, 14-10-2017, 10-11-2017 तथा 07-12-2017 को इन्हीं निर्धारित स्थानों पर नियमित रूप से आयोजित किये जायेंगे।

विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् आयुर्वेद विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव दिनांक 24.8.2016 को सम्पन्न हुए जिसमें BAMS 2012 Batch के छात्र धर्मेन्द्र गिरी गोस्वामी को निर्विरोध छात्रसंघ अध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर कुलपति महोदय ने सभी छात्रों को निर्विरोध चुनाव सम्पन्न करवाने के लिए बधाई दी। निर्वाचित होने पर छात्रसंघ अध्यक्ष धर्मेन्द्र गिरी ने सभी छात्र-छात्राओं का आभार प्रकट किया। छात्रसंघ की गतिविधियों को सुचारू रूपेण संचालित करने के लिए दिनांक 20 सितम्बर 2016 को छात्रसंघ कार्यलय का उद्घाटन माननीय कुलपति महोदय प्रो० राधेश्याम शर्मा के करकमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलपति महोदय द्वारा छात्रों के हितों में हरसंभव सहायता करने का आश्वासन दिया गया।

मुख्यमंत्री द्वारा राजस्थान के विभिन्न छात्रसंघ अध्यक्षों से मुलाकात

राजस्थान सरकार की मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे द्वारा दिनांक 23.11.2016 को मुख्यमंत्री निवास में राजस्थान के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के निर्वाचित छात्रसंघ अध्यक्षों को छात्रों के कल्याण तथा उनकी समस्याओं को सुनने हेतु आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर छात्रसंघ अध्यक्ष धर्मेन्द्र गिरी गोस्वामी द्वारा अपना परिचय दिये जाने पर माननीया मुख्यमंत्री महोदया द्वारा अनायास ही विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय द्वारा उनको दिये गये प्रभावी चिकित्सीय उपचार का स्मरण हो आया। वहां मौजूद सभी छात्रसंघ अध्यक्षों व अन्य गण्यमान्य व्यक्तियों के सामने उन्होंने बताया कि आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० राधेश्याम शर्मा द्वारा दी गयी चिकित्सा के कारण ही वह अपने पैरों पर खड़ी हो पाई है और आज आपके सामने इस कार्यक्रम में उपस्थित हैं। छात्रसंघ अध्यक्ष धर्मेन्द्र गिरी गोस्वामी ने बताया कि यह सुनकर मैं वहां पर मौजूद सभी छात्रसंघ अध्यक्षों के बीच अपने आपको बहुत गौरवान्वित अनुभव कर रहा था और वह पल मेरे जीवन का एक अविस्मरणीय क्षण रहेगा।

विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर पंचकर्म विभाग के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के कड़वड़ परिसर स्थित चिकित्सालय में संचालित पंचकर्म केन्द्र का “Center of Excellence” के रूप में उद्घाटन

माननीय कुलपति महोदय के अथक प्रयासों से मुख्यमंत्री सलाहकार परिषद्, राजस्थान सरकार की अनुशंसा पर विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर पंचकर्म विभाग के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के कड़वड़ परिसर स्थित चिकित्सालय में संचालित पंचकर्म केन्द्र का “Center of Excellence” के रूप में माननीया मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे द्वारा दिनांक 25.1.2017 को उद्घाटन किया गया। “Center of Excellence” होने से अब इस केन्द्र में पंचकर्म चिकित्सा सम्बन्धी सुविधाओं का उच्चीकरण एवं विस्तार हो सकेगा। जिससे जन सामान्य को पंचकर्म सम्बन्धी विशिष्ट सुविधाएं प्राप्त हो सकेगी।



विश्वविद्यालय द्वारा Smart Village के रूप में गोद लिये गये ग्राम घड़ाव में सम्पन्न गतिविधियाँ

माननीय राज्यपाल महोदय के निर्देशानुसार राजस्थान प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों द्वारा एक गाँव को गोद लेकर उसको स्मार्ट विलेज के रूप में विकसित करने की योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा ग्राम घड़ाव को गोद लिए जाकर स्मार्ट विलेज के रूप में विकसित किए जाने के क्रम में निम्नानुसार कई उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं:-

जुलाई-अक्टूबर माह, 2016 को ग्राम के स्थानीय विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्य एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें विभिन्न औषधीय पादपों का रोपण किया गया। इस अवसर पर तुलसी का महत्व एवं घरेलू उपयोग से सम्बंधित पत्रक भी वितरित किए गए।

विश्वविद्यालय के योग प्रशिक्षक डॉ. चंद्रभान शर्मा द्वारा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, घड़ाव के छात्र-छात्राओं को दैनिक जीवन में उपयोगी यौगिक क्रियाओं का अभ्यास करवाते हुए योग का स्वास्थ्य पर अनुकूल प्रभाव इस विषय पर व्याख्यान दिया गया।

16 जून 2017 को योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता' रैली निकाली गई। प्राचार्य, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, रैली में छात्र-छात्राओं, संकाय सदस्यों एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) के स्वयंसेवकों द्वारा योग जागरूकता रैली का आयोजन कर आसन-प्राणायाम-ध्यान सम्बन्धी स्लोगन उद्घोष के माध्यम से ग्रामवासियों को योग के प्रति जागरूक किया गया।

जल संरक्षण हेतु ग्राम के एक तालाब को चिन्हित किया गया जिस तालाब का वर्तमान में ग्रामीणों द्वारा उपयोग नहीं किया जा रहा था, उस तालाब की मरम्मत करवाने की योजना बनाई गयी है ताकि संरक्षित जल का उपयोग ग्रामवासी अपने दैनिक उपयोग के साथ पशुधन आदि के लिए कर सकें।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान

दिनांक 27.2.2017 को डाबर इण्डिया लि. कम्पनी द्वारा महाविद्यालय परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में BAMS की विविध कक्षाओं में

सर्वोच्च स्थान पर रहने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पदक एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल ने डाबर कम्पनी द्वारा मेधावी छात्रों के प्रोत्साहन हेतु किये जाने वाले ऐसे आयोजनों की सराहना की। उन्होंने कहा इस प्रकार के आयोजनों से छात्र-छात्राओं में पढ़ने की स्वस्थ प्रतिस्पद्धा का भाव जागृत होता है। इस अवसर अनेक संकाय सदस्य व सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

औषधि निर्माता कम्पनी हिमालय द्वारा दिनांक 13 जुलाई 2017 को महाविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों के लिये एक शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इससे पूर्व हिमालय कम्पनी द्वारा दिनांक 5 जुलाई 2017 को क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्नातकोत्तर अध्येताओं के लिये पॉवर पॉइन्ट प्रदर्शन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में विजेताओं की घोषणा की गई एवं उन्हें पुरस्कृत किया गया। विश्वविद्यालय स्तर पर की गई। इस कार्यक्रम में माननीय कुलपति महोदय और समस्त संकाय सदस्य उपस्थित रहे।



यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद में भारतीय नववर्ष अभिनन्दन समारोह का आयोजन

यूनिवर्सिटी कॉलेज आफ आयुर्वेद में नवसंवत्सर का आयोजन दिनांक 28.03.2017 को यूनिवर्सिटी कॉलेज आफ आयुर्वेद के सेमिनार कक्ष में किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय फैशन तकनीकी संस्थान, जोधपुर (NIFT) के पूर्व निदेशक प्रो. रघुराम जयरामन ने भारतीय संस्कृति को विश्ववारा संस्कृति बताया। कुलसचिव श्री तुलसीदास जी ने इस अवसर पर उपस्थित छात्र-छात्राओं को नवसंवत्सर की बधाई देते हुए ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा की। प्राचार्य प्रो.गोविन्द सहाय शुक्ल ने भारतीय कालगणना की वैज्ञानिकता बताते हुए इस विषय पर विशेष व्याख्यान दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा उपस्थित गुरुजनों का तिलक लगा कर एवं माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. राजीव सोनी ने किया।

उमंग-2017 का रंगारंग आयोजन

दिनांक 03.04.2017 को Batch 2015 के विद्यार्थियों द्वारा 2016 Batch में नवप्रविष्ट छात्र-छात्राओं के स्वागत हेतु उमंग 2017 नाम से एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राधेश्याम शर्मा ने कहा कि छात्र-छात्राओं को नियमित रूप से कक्षा में आने के लिए दृढ़संकल्प होना चाहिये जिससे उनका जीवन उत्तरोत्तर गुणवान् बने और वे आयुर्वेद की विधा का पूरी तरह से ज्ञानार्जन कर सकें। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल सहित अनेक संकाय सदस्य, कुलसचिव व वित्त नियंत्रक तुलसीदास शर्मा सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।



गुरु पूर्णिमा उत्सव का आयोजन

दिनांक 7 जुलाई 2017 को विश्वविद्यालय के महाविद्यालय प्रांगण में छात्र-छात्राओं द्वारा गुरुपूर्णिमा उत्सव हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने साफा, माला, श्रीफल, पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं तिलक लगाकर माननीय कुलपति प्रो० राधेश्याम शर्मा का अभिनन्दन किया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा गुरुपूर्णिमा का महत्त्व और जीवन में गुरुओं की अनिवार्यता को विविध श्लोकों, उद्धरणों व प्रेरक कथनों के माध्यम से बतलाकर गुरुजनों का माला, तिलक आदि भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में छात्रों को सम्बोधित करते हुए कुलपति प्रो० राधेश्याम शर्मा ने कहा कि व्यासपूर्णिमा ही गुरुपूर्णिमा के नाम से जानी जाती है। उन्होंने छात्रों को मेहनत और लगन से अध्ययन की प्रेरणा दी। इस गरिमामय कार्यक्रम के अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल, डीन एकेडमिक प्रो. महेन्द्र शर्मा, चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. ओम प्रकाश दवे, वित्त नियन्त्रक श्री तुलसीदास शर्मा, परीक्षा नियन्त्रक श्री शशिशेखर जोशी, उपकुलसचिव प्रो. आरपी सिंह, संकाय सदस्य व कर्मचारी उपस्थित थे।



आयुर्वेद संकाय के अध्ययन मंडल का उपवेशन आयोजित

दिनांक 11.04.2017 को विश्वविद्यालय के सेमिनार कक्ष में आयुर्वेद संकाय के अध्ययन मंडल की बैठक अध्यक्ष प्रो. महेश दीक्षित, विभागाध्यक्ष, शल्य तन्त्र विभाग, मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसमें सम्बन्धित विभिन्न विषयों के प्रकरणों पर गहन विचार मन्थन हुआ।

वित्त एवं लेखा समिति की बैठक

दिनांक 23 मई 2017 को विश्वविद्यालय की वित्त एवं लेखा समिति का 16 वां उपवेशन माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय परिसर, करवड में आयोजित हुआ। इसमें विश्वविद्यालय के आयुर्वेद संकाय के अधिष्ठाता प्रो० गौरीशंकर इन्दोरिया, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद के प्राचार्य प्रो० गोविन्द सहाय शुक्ल, विश्वविद्यालय के वित्त नियन्त्रक श्री तुलसीदास शर्मा सहित अन्य समिति सदस्य उपस्थित रहे।

इस बैठक में वित्तवर्ष 2017-18 में प्रस्तावित निर्माण कार्य एवं आगामी वित्तवर्ष 2018-19 में करवाये जाने वाले निर्माण कार्य पर विचार-विमर्श किया गया। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना एवं उस पर होने वाले व्यय पर विचार-विमर्श किया गया। इसके साथ ही पीजी पाठ्यक्रम शुल्क, यूजी पाठ्यक्रम शुल्क, नर्सिंग प्रशिक्षण केन्द्रों के सम्बद्धता शुल्क, परीक्षा, प्रवेश एवं पुस्तकालय से सम्बन्धित सॉफ्टवेयर अनुरक्षण

शुल्क तथा डिजिटल एक्स-रे मशीन द्वारा की जाने वाली जांच द्रों पर विचार-विमर्श समेत वित्तीय महत्त्व के अनेक मुद्दों पर चर्चा की गई। वित्त एवं लेखा समिति की बैठक में राज्य सरकार द्वारा वित्त पोषित विश्वविद्यालयों में वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने एवं वित्तीय अनियमितताओं की रोकथाम के लिये विश्वविद्यालय के नियमित अंकेक्षण की व्यवस्था लागू किये जाने पर विचार-विमर्श किया गया तथा राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों द्वारा इस सम्बन्ध में की गई कार्यवाही के अध्ययन का निर्णय लिया गया।

महाविद्यालय परिसर में अग्निर्कर्म विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 6 एवं 7 मार्च 2017 को विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर शल्य तंत्र विभाग में Contemporary Importance of Agnikarma विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन के अवसर पर कुलपति प्रो. राधेश्याम शर्मा ने कहा कि अग्निर्कर्म आयुर्वेद की एक प्रभावी प्रणाली है जिससे रोगों के निराकरण के साथ उनके अपुनर्भव की प्राप्ति होती है। इस कार्यशाला में 8 सत्रों का आयोजन किया गया। इन सत्रों में सौ शोधपत्रों का वाचन हुआ। इन शोध पत्रों में से 50 के करीब शोधपत्र गृध्रसी, कदर, स्त्री रोग, विचर्चिका जैसे जटिल रोगों में अग्निर्कर्म के प्रभावी प्रयोग के अनुभव पर आधारित थे।

इस दो दिवसीय कार्यशाला में जलगांव से पधारे हुए विख्यात शल्यतंत्र विशेषज्ञ डॉ. एन.एन. गुजराती ने अग्निर्कर्म से सम्बन्धित विभिन्न उपकरणों का परिचय, प्रयोग विधि तथा उनके पेटेण्ट से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण जानकारीयों के साथ-साथ अग्निर्कर्म से सम्बन्धित अपने सफल चिकित्सीय उपचारों के बारे में शोधार्थियों को प्रभावशाली व्याख्यान दिया। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के शल्यतंत्र विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. श्यामसुन्दर शर्मा ने कदर पर किये गये अपने सहस्राधिक सफल प्रयोगों से छात्रों को रूबरू करवाया। इस अवसर पर राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर से ही पधारे हुए डॉ.डी.एस. मिश्रा तथा मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय उदयपुर के प्रो. महेश दीक्षित ने अग्निर्कर्म पर अपने उपयोगी व्याख्यान प्रस्तुत किये। इस कार्यशाला में शल्यतंत्र विभाग के शल्यकक्ष में आये हुए रोगियों पर उपर्युक्त विषयविशेषज्ञों द्वारा चिकित्सीय उपचार दिया गया जिसका शल्य कक्ष से प्रतिभागियों के समक्ष Live Telecast किया गया।



महाविद्यालय परिसर में नाड़ी परीक्षण कार्यशाला का आयोजन

स्नातक, स्नातकोत्तर अध्येताओं एवं चिकित्सक शिक्षकों की ज्ञान अभिवृद्धि के लिये केरल राज्य के लब्ध प्रतिष्ठित विश्व प्रसिद्ध नाड़ी सूत्र विशेषज्ञ श्री के.टी. शिवानन्दन के सानिध्य में महाविद्यालय परिसर में दिनांक 14 से 16 जून 2017 तक त्रिदिवसीय नाड़ी परीक्षण कार्यशाला Contemporary Importance of Nadi-Parikshana का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के उद्घाटन समारोह के अवसर पर अपने सम्बोधन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राधेश्याम शर्मा ने नाड़ी विज्ञान विषय पर विस्तृत चर्चा की एवं बताया की नाड़ी परीक्षण आयुर्वेद विद्या का एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण कौशल है जिसके विकास की आवश्यकता है। श्री के.टी. शिवानन्दन जी से विश्वविद्यालय में प्रत्येक माह द्विदिवसीय अथवा त्रिदिवसीय नाड़ी परीक्षण कार्यशाला के आयोजन हेतु आग्रह किया गया जिसको श्री शिवानन्दन ने सहर्ष स्वीकार किया। इस क्रम में दिनांक 14-15 जुलाई, 2017 को पुनः द्विदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें स्नातकोत्तर अध्येताओं ने पूर्ण मनोयोग से भाग लिया।



महाविद्यालय के छात्रों का शैक्षणिक भ्रमण

दिनांक 22.04.2017 से दिनांक 28.04.2017 तक द्रव्यगुण विभाग के एसोसियेट प्रोफेसर डा. लक्ष्मीनारायण शर्मा एवं डा. राजेन्द्र प्रसाद पूर्विया के नेतृत्व में BAMS 2015 बैच के छात्रों ने हिमाचल प्रदेश के विविध स्थानों का शैक्षणिक भ्रमण किया। भ्रमण के अन्तर्गत विद्यार्थियों को हिमालय क्षेत्र में मिलने वाली विभिन्न औषधीय महत्व के पेड़-पौधों का साक्षात् ज्ञान करवाया गया।

विश्वविद्यालय के डीएनपी द्वितीय वर्ष और बी0 एस0 सी0 (आयुर्वेद नर्सिंग) द्वितीय वर्ष के 34 छात्र-छात्राओं के दल ने चण्डीगढ़ सहित हिमाचल प्रदेश के मनाली, कुल्लू, मणिकरन, खजियार, धर्मशाला, जोगिन्दरनगर, पपरोला आदि स्थानों का शैक्षणिक भ्रमण किया। भ्रमणदल प्रभारी रोगविकृतिविज्ञान में सहायक प्रोफेसर डॉ. अरुण दाधीच ने बताया कि 8 दिवसीय इस शैक्षणिक भ्रमण में सुरम्यस्थलों के अवलोकन के साथ-साथ औषधीय महत्त्व के वृक्षों, पौधों, वनस्पतियों का सांगोपांग प्रत्यक्ष ज्ञान उपलब्ध करवाया गया।



विश्वविद्यालय की कुलसचिव श्रीमती वीणा लाहोटी सेवानिवृत्त

राजस्थान प्रशासनिक सेवा की वरिष्ठ अधिकारी विश्वविद्यालय की कुलसचिव श्रीमती वीणा लाहोटी दिनांक 28 फरवरी 2017 को सेवानिवृत्त हो गयीं। उनकी सेवानिवृत्ति के अवसर पर विश्वविद्यालय में एक भावभीने कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस गरिमामय कार्यक्रम के अवसर पर जोधपुर संभाग के संभागीय आयुक्त श्री रतन लाहोटी, कुलपति प्रो. राधेश्याम शर्मा, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल, वित्त नियन्त्रक श्री तुलसीदास शर्मा, परीक्षा नियन्त्रक श्री शशिशेखर जोशी, उपकुलसचिव प्रो. आरपी सिंह, श्रीमती लाहोटी जी के परिवारजन, अन्य प्रबुद्धजनों सहित विश्वविद्यालय के कई प्रशासनिक अधिकारी, संकाय सदस्य व कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर उपस्थित सभी ने श्रीमती लाहोटी द्वारा विश्वविद्यालय में उनके सेवाकाल की उपलब्धियों एवं उनकी कार्यकुशलता की भूरि-भूरि प्रशंसा की।



विश्वविद्यालय के आयुर्वेद संकाय के अधिष्ठाता प्रो० गौरीशंकर इन्दौरिया सेवानिवृत्त

विश्वविद्यालय के आयुर्वेद संकाय के अधिष्ठाता (Dean) एवं मदन मोहन राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर के प्राचार्य प्रो० गौरीशंकर इन्दौरिया दिनांक 31/5/2017 को अपने पद से सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर उदयपुर में महाविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में आयुर्वेद परिवार द्वारा उन्हें भावभीनी विदाई दी गई।

प्रो. महेश दीक्षित मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर के प्राचार्य नियुक्त

मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर के प्राचार्य पद पर राज्य सरकार द्वारा महाविद्यालय में शल्य तन्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. महेश दीक्षित की नियुक्ति की गई है। उन्होंने दिनांक 01. जून 2017 को कार्य ग्रहण कर लिया है। प्रो. दीक्षित विश्वविद्यालय के अध्ययन मण्डल के अध्यक्ष भी है।

Digital X-Ray Machine का उद्घाटन

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध चिकित्सालय में दिनांक 28 अप्रैल 2017 को नई Digital X-ray Machine का उद्घाटन माननीय कुलपति महोदय के करकमलों से किया गया। उन्होंने इस मशीन की तकनीक की पूरी जानकारी ली और सम्बद्ध स्टाफ को पूर्ण निष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करने हेतु निर्दिष्ट किया। चिकित्सालय में अब रोगी इस अत्याधुनिक मशीन द्वारा एक्स-रे परीक्षण का लाभ उठा रहे हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल, चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. ओमप्रकाश दवे, उप अधीक्षक डॉ. परमानन्द उपाध्याय, रोग एवं विकृति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. गोविन्द प्रसाद गुप्ता, इसी विभाग के असिस्टेंट प्रो. अरुण दाधीच, डॉ. विष्णु दत्त शर्मा सहित अनेक संकाय सदस्य एवं कर्मचारी उपस्थित थे।



सांस्थानिक एथिक्स कमेटी (IEC) का गठन

विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर शोधार्थियों के शोध विषयों का समीक्षापूर्वक निर्णय करने, विभागीय शोध प्रोजेक्ट्स एवं अन्य समकक्ष संस्थाओं के साथ शोध कार्य के समन्वयन के लिए भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद्, नई दिल्ली के मानक मापदण्डों के अनुरूप सांस्थानिक एथिक्स कमेटी का गठन किया गया है। इसके प्रथम अध्यक्ष के रूप में प्रो. राज्यवर्द्धन सिंह राय, पूर्व अधिष्ठाता, आयुर्वेद संकाय, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय एवं पूर्व प्राचार्य मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर को नियुक्त किया गया है। समिति के अन्य सदस्य हैं: विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद के प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल एवं प्रो. ओम प्रकाश दवे, विभागाध्यक्ष, शल्य तन्त्र विभाग, प्रो. बी. पी. नागौरी, निदेशक, फार्मसी विंग, लाचू कॉलेज, जोधपुर, प्रो. ए. के. मलिक, पूर्व अधिष्ठाता, समाज विज्ञान संकाय, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर, विश्वविद्यालय के उपकुलसचिव प्रो. आर.पी. सिंह, प्रख्यात न्यूरोसर्जन डॉ. नगेन्द्र शर्मा, पूर्व औषधि नियंत्रक, राजस्थान सरकार, डॉ. आरपी सोमानी, प्रख्यात अधिवक्ता श्री संदीप भाण्डावत, प्रो. श्रीकृष्ण खण्डल, पूर्व विभागाध्यक्ष, रोग एवं विकृति विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर। इस समिति के सदस्य सचिव व समन्वयक के रूप में प्रो. महेन्द्र शर्मा, विभागाध्यक्ष, रचना शारीर विभाग एवं सह समन्वयक के रूप में डॉ. संजय श्रीवास्तव को नियुक्त किया गया है। इस समिति की प्रथम बैठक दिनांक 08 मार्च, 2017 को सम्पन्न हुई।

विश्वविद्यालय के चिकित्सालय में जोधपुर मानव सेवा ट्रस्ट की ओर से एम्बूलेन्स भेंट

जोधपुर मानव सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष माननीय महापौर घनश्याम जी ओझा द्वारा दिनांक 28 जून 2017 को विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. राधेश्याम शर्मा एवं ट्रस्ट के विभिन्न ट्रस्टियों के सान्निध्य में विश्वविद्यालय के चिकित्सालय में एक सम्पूर्ण सुविधाओं से युक्त एम्बूलेन्स भेंट की गई। श्रीमान् मदन जी पुंगलिया ने जोधपुर मानव सेवा ट्रस्ट के माध्यम से यह एम्बूलेन्स भेंट की है।

इस अवसर पर कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए महापौर श्री घनश्याम जी ओझा ने कहा कि इस एम्बूलेन्स के सहयोग से जोधपुर के अधिक से अधिक निवासियों को चिकित्सा सुविधाएं मिल सकेंगी। कुलपति प्रो. शर्मा ने अपने सम्बोधन में कहा कि जोधपुर शहर एवं जोधपुर सम्भाग के रोगियों को इस एम्बूलेन्स के माध्यम से विश्वविद्यालय के चिकित्सालय की सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ प्राप्त हो सकेगा तथा इस हेतु जोधपुर मानव सेवा ट्रस्ट को हार्दिक धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में जोधपुर मानव सेवा ट्रस्ट के उपाध्यक्ष श्री सुरेश राठी जी, सचिव श्री शिवनारायण मूंदड़ा आदि विभिन्न सदस्य, विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री तुलसीदास शर्मा एवं विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य, अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।



तृतीय अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2017 (21 मई से 21 जून 2017) का भव्य आयोजन

विश्वविद्यालय में दिनांक 21 जून 2017 को तृतीय अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर, केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली एवं आयुष मन्त्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में 21 मई से 21 जून 2017 तक निःशुल्क योग शिविरों का आयोजन किया गया।



21 मई से 21 जून 2017 तक विश्वविद्यालय स्थित यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद परिसर में निः शुल्क योग शिविर का आयोजन किया गया। माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) राधेश्याम शर्मा द्वारा शिविर का उद्घाटन किया गया। प्रातः 7 से 9 बजे तक नित्य आयोजित शिविर में आयुष मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित सामान्य योग अभ्यास क्रम (प्रोटोकॉल) एवं दैनिक जीवन में उपयोगी स्वास्थ्य संरक्षक एवं

संवर्द्धक यौगिक क्रियाओं के बारे में जानकारी दी गई। विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक, अशैक्षणिक, चिकित्सालय के अधिकारी एवं कर्मचारी, स्नाकोत्तर, स्नातक एवं विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं व आमजन ने इस अवसर पर योगाभ्यास कर लाभ उठाया। इसी क्रम में सायं 6 से 7 बजे तक विश्वविद्यालय परिसर स्थित चिकित्सालय के अन्तरंग विभाग में भर्ती रोगियों को निःशुल्क योगाभ्यास करवाया गया।

28 मई 2017 को युनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद के छात्र एवं छात्राओं एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस) के स्वयंसेवकों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में “ योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता ” रैली निकाली गई कुलपति महोदय प्रो. (डॉ.) राधेश्याम शर्मा ने रैली को सम्बोधित कर ‘योग द्वारा स्वास्थ्य’ विषय पर विचार व्यक्त कर दैनिकचर्यान्तर्गत यौगिक आसनो, प्राणायाम, ध्यान एवं मुद्राओं के अभ्यास पर जोर दिया गया।

29 मई से 2 जून 2017 तक केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण (Central Administrative Tribunal) न्यायपीठ, जोधपुर में 5 दिवसीय निःशुल्क योग शिविर लगाया गया जिसमें आयुष मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित योग प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाया गया अधिकरण के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों ने शिविर का भरपूर लाभ उठाया।

विश्वविद्यालय में 15 जून से 21 जून 2017 तक विशेष योग सप्ताह मनाया गया, योग सप्ताह में निम्नानुसार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया :-

15 जून 2017 को विश्वविद्यालय के श्री कनीराम सालगराम टाक सैटेलाईट आयुर्वेद चिकित्सालय एवं नर्सिंग प्रशिक्षण केन्द्र, पूंजला स्थित “ योग एवं वैलनेस सेन्टर ” में 07 दिवसीय निःशुल्क योग शिविर का शुभारम्भ कुलपति महोदय प्रो (डॉ.) राधेश्याम शर्मा द्वारा किया गया। इसमें अव्यवस्थित जीवनशैली जन्य विकारों के निवारण एवं स्वास्थ्य संरक्षण हेतु यौगिक क्रियाओं के अभ्यास के प्रति आमजन को जागरूक किया गया। 07 दिवसीय निः शुल्क योग शिविर में नर्सिंग प्रशिक्षण केन्द्र, पूंजला के समस्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक अधिकारी, कर्मचारी, चिकित्सालय के अन्तरंग विभाग में भर्ती रोगी एवं नगरवासियों ने योगाभ्यास कर लाभ उठाया।

कुलपति महोदय प्रो. डॉ. राधेश्याम शर्मा द्वारा ऐश्वर्या कॉलेज ऑफ एजुकेशन, जोधपुर में आयोजित योग सप्ताह का उद्घाटन किया गया और इस अवसर पर योग विषय पर सारगर्भित व्याख्यान के माध्यम से योग के प्रति जागरूक किया गया।

17 जून 2017 को विश्वविद्यालय में “ योग: कर्मसु कौशलम् ” विषय पर निबन्ध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर, स्नातक एवं विविध पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने भाग लिया तथा विश्वविद्यालय योग शिविर प्रभारी डॉ. चन्द्रभान शर्मा द्वारा प्राणायाम अभ्यास की शास्त्रोक्त विधि एवं मनोदैहिक प्रभाव विषय पर व्याख्यान दिया गया।

19 जून 2017 को “ योग एवं वैलनेस सेन्टर ” नर्सिंग प्रशिक्षण केन्द्र, पूंजला, जोधपुर शहर में ‘ योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता ’ रैली निकाली गई। ‘ योग एवं वैलनेस सेन्टर ’ के निदेशक एवं समन्वयक योग प्रशिक्षक डॉ. चन्द्रभान शर्मा, नर्सिंग प्राचार्य डॉ. बृजबिहारी मिश्रा एवं चिकित्सालय प्रभारी डॉ. महेश शर्मा ने हरी झण्डी दिखाकर रैली को रवाना किया। नर्सिंग प्रशिक्षण केन्द्र के शैक्षणिक, अशैक्षणिक स्टाफ, चिकित्सालय स्टाफ एवं अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने यौगिक क्रियाओं सम्बन्धी नारों के साथ शहरवासियों को योग के प्रति जागरूक किया।

20 जून 2017 को जोधपुर शहर में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिकारी, छात्र-छात्राओं, राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) के स्वयंसेवकों द्वारा पावटा से नई सड़क चौराहा तक “ योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता ” रैली निकाली गई। माननीय कुलपति प्रो. राधेश्याम शर्मा द्वारा हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया गया। रैली में कुलपति, कुलसचिव, प्राचार्य, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद, प्राचार्य नर्सिंग कॉलेज, डीन एकेडेमिक, उपकुलसचिव, सहायक कुलसचिव, परीक्षा नियन्त्रक, चिकित्सालय अधीक्षक आदि प्रशासनिक अधिकारी, समस्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ, चिकित्सालय स्टाफ, विश्वविद्यालय में अध्ययनरत लगभग 350 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। विश्वविद्यालय योग शिविर प्रभारी डॉ. चन्द्रभान शर्मा द्वारा स्वास्थ्य संवर्द्धन आसन, कपालभाति, उड्डियान बन्ध, अग्निसार क्रिया, नौलिकर्म एवं प्राणायाम का कर्माभ्यास करवाया गया।

21 जून 2017 को तृतीय अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस प्रातः 6.30 बजे से 10.30 बजे तक विश्वविद्यालय परिसर में समारोह पूर्वक मनाया गया, माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) राधेश्याम शर्मा के विशिष्ट आतिथ्य में भगवान धन्वन्तरि की पूजा अर्चना के उपरान्त प्रातः 7 से 8 बजे तक आयुष मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित सामान्य योग अभ्यास क्रम (प्रोटोकॉल) का अभ्यास करवाया गया। प्रोटोकॉल के समापन पर कुलपति महोदय द्वारा संकल्प पत्र वाचन कर उपस्थित योगाभ्यासियों को नियमित योगाभ्यास व इस हेतु सामाजिक जन जागरण का संकल्प करवाया गया।

इस अवसर पर योग विषय पर सम्भाषा हेतु आमन्त्रित अतिथियों डॉ. महेन्द्र प्रकाश चाडा, बीकानेर एवं श्रीमान् घेवरचन्द सारस्वत द्वारा सारगर्भित व्याख्यान दिया गया। कुलपति प्रो. (डॉ.) राधेश्याम शर्मा ने अपने उद्बोधन में तृतीय अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने दिनचर्या की शुरुआत योग क्रियाओं के अभ्यास से करने की प्रेरणा देते हुए वर्तमान में अव्यवस्थित जीवनशैली जन्य विकारों में अष्टांग योग को चमत्कारिक परिणाम देने वाला बतलाया। इस एक माह के निःशुल्क योग शिविर कार्यक्रम हेतु उन्होंने केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसन्धान परिषद् नई दिल्ली एवं आयुष मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रदत्त सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

तृतीय अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह के समापन पर विश्वविद्यालय परिसर में “ योग पर्दर्शनी ” का आयोजन किया गया जिसमें माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, संयुक्त राष्ट्र संघ के जनरल सैकेटरी श्रीमान बान की मून, आयुष मन्त्री श्रीमान श्रीपद नायक द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का महत्व प्रदर्शित करने वाले सन्देश, एवं यौगिक क्रियाओं की विधि, मनोदैहिक प्रभाव एवं सावधानियों



से सम्बन्धित फलैक्स के माध्यम से प्रदर्शित कर योग के प्रति जागरूक किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राधेश्याम शर्मा, कुलसचिव एवं वित्त नियन्त्रक श्री तुलसीदास शर्मा, प्राचार्य, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल, सहित समस्त शैक्षणिक, अशैक्षणिक स्टाफ, आमन्त्रित अतिथि एवं छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मध्याह्न पश्चात् अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), जोधपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में कुलपति प्रो. डॉ. राधेश्याम शर्मा द्वारा 'अष्टांग योग एवं आयुर्वेद' विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया गया एवं विश्वविद्यालय के योग प्रशिक्षक डॉ. चन्द्रभान शर्मा द्वारा यौगिक क्रियाओं का जीवन्त प्रदर्शन किया गया।

जोधपुर के शारीरिक शिक्षकों एवं अन्य विभागों के प्रतिनिधियों हेतु सामान्य योग अभ्यास क्रम (प्रोटोकॉल) प्रशिक्षण आयोजित

तृतीय अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला कलक्टर, जोधपुर से प्राप्त पत्र के सन्दर्भ में 01 मई से 15 जून 2017 तक योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसन्धान केन्द्र, बासनी तम्बोलिया एवं उम्मेद स्टेडियम जोधपुर में प्रातः 6.30 से 7.30 बजे तक जिला स्तरीय योग प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के कुशल योग प्रशिक्षकों द्वारा शारीरिक शिक्षकों व अन्य विभागों के प्रतिभागियों को आयुष मन्त्रालय द्वारा निर्धारित सामान्य योग अभ्यास क्रम (प्रोटोकॉल) का अभ्यास करवाया गया।

नेतड़ा ग्राम में योग शिविर का आयोजन

विश्वविद्यालय के योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के सर्टिफिकेट कोर्स के विद्यार्थियों द्वारा योगशिविर प्रभारी डॉ चन्द्रभान शर्मा के नेतृत्व में नेतड़ा ग्राम के गुरुकृपा आश्रम में दिनांक 7-8 जुलाई 2017 को योगाभ्यास करवाया गया। इस अवसर पर डॉ. चन्द्रभान शर्मा ने बताया कि नित्य आसन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास करने से मनुष्य मनोदेहिकरूप से स्वस्थ जीवन का निर्वाह कर सकता है। महाराज श्री राजारामजी के सानिध्य में आयोजित इस शिविर में योगशिविर में लगभग 400 ग्रामवासी उपस्थित थे।

अन्तर महाविद्यालय क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं 'आयुर्विश्व-2017' का आयोजन

विश्वविद्यालय परिसर में दिनांक 13.02.2017 से 20.02.2017 तक विश्वविद्यालय से सम्बद्ध आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी कालेजों के मध्य अन्तः क्रीड़ा और सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयुर्विश्व-2017 का भव्य आयोजन विश्वविद्यालय के करवड़ परिसर में किया गया। इस प्रतियोगिता में सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने कैरम, बैडमिन्टन, शतरंज, टेबल-टेनिस, क्रिकेट, वॉलीबाल, कबड्डी, लांग जम्प, 100 मीटर दौड़ क्रीड़ा प्रतिस्पर्द्धाओं में भाग लिया। इन क्रीड़ा प्रतिस्पर्द्धाओं के साथ-साथ आयुर्विश्व-2017 में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अन्तर्गत कवितापाठ, एकल गायन, समूह गायन, एकल नृत्य, समूह नृत्य, सम्भाषण तथा रंगोली प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं। इस क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के संयोजन का दायित्व डॉ. राकेश कुमार शर्मा, एसो. प्रोफेसर रचना शारीर को दिया गया था।

13 से 20 फरवरी 2017 तक आठ दिनों तक चलने वाले इस आयोजन का उद्घाटन एक बड़े ही भव्य कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राधेश्याम शर्मा तथा राष्ट्रीय फैशन तकनीकी संस्थान (NIFT) जोधपुर की निदेशक श्रीमती विजया देशमुख द्वारा दिनांक 13.02.2017 को किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसके बाद मशाल प्रज्वलन का कार्यक्रम माननीय कुलपति महोदय द्वारा किया गया। तदनन्तर भव्य मार्च पास्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें RAC के Band की धुन पर सभी भाग ले रहे महाविद्यालयों के प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने अपने-अपने महाविद्यालयों के झण्डे व बैनर के साथ पंक्तिबद्ध होकर माननीय कुलपति महोदय एवं ध्वज को सलामी देते हुए भव्य परेड में भाग लिया। परेड के पश्चात् कुलपति महोदय ने सभी प्रतिभागियों को पूर्ण अनुशासन एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु शपथ ग्रहण करवायी। इस अवसर पर आयोजित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में पहली बार भाग ले रहे यूनिवर्सिटी यूनानी कॉलेज, टोंक के छात्रों सहित अन्य महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग प्रस्तुतियाँ दी। कार्यक्रम के पश्चात् माननीय कुलपति महोदय व NIFT निदेशक द्वारा क्रिकेट प्रतियोगिता में टॉस करवा कर आयुर्विश्व-2017 में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ किया गया।

आठ दिन के इस आयोजन में सभी प्रतिभागी एवं दर्शकों ने पूरे जोश-खरोश से सभी प्रतियोगिताओं में भाग लिया। प्रतिभागियों का उत्साह देखते ही बनता था। विश्वविद्यालय परिसर में हर तरफ उत्साह वर्द्धक शोरगुल व जीतने पर विजयघोष सुनाई पड़ता था। क्रीड़ा व सांस्कृतिक महाकुम्भ का आयोजन वर्ष 2005 से अनवरत किया जा रहा है। इस बार पहली बार इस आयोजन में कबड्डी, लांग जम्प, कविता पाठ, संभाषण, रंगोली, कैरम व चैस इन प्रतिस्पर्द्धाओं का आयोजन किया गया। इन प्रतिस्पर्द्धाओं हेतु नवीन प्रतिस्पर्द्धा स्थलों का निर्माण किया गया। माननीय कुलपति महोदय द्वारा इस अवसर पर विशेष रूप से तैयार किये गये नवीन बैडमिण्टन इन्डोर ग्राउण्ड का उद्घाटन किया गया। आयोजन के दौरान सभी प्रतिभागियों व उनके साथ आये हुए सभी टीम प्रबंधकों के ठहरने की समुचित व्यवस्था विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में उपलब्ध



करवायी गयी थी। इस पूरे आयोजन में संयोजक डॉ. राकेश कुमार शर्मा सहित पूरे शैक्षणिक व अशैक्षणिक स्टाफ के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के छात्रसंघ अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र गिरी गोस्वामी व समस्त छात्र-छात्राओं ने दिन-रात एक कर पूर्ण योगदान दिया। इसी कारण उक्त आयोजन ऐतिहासिक आयोजन के रूप में सफलता से सम्पन्न हो पाया।

दिनांक 20.02.2017 को इस आयोजन के समापन के अवसर पर माननीय कुलपति महोदय द्वारा सभी विजेताओं व उपविजेताओं को पदक, ट्रॉफी व प्रमाण पत्र वितरित किये गये। सर्वाधिक पदक जीतने पर यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद, जोधपुर को चल वैजयन्ती प्रदान की गई। इस अवसर पर कुलपति प्रो. राधेश्याम शर्मा ने सभी पदक विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है। हार जीत तो एक क्रम है। जीत से उत्साहित होना चाहिये। परन्तु हार से निराश न होकर पुनः नये जोश के साथ अगली बार जीत हेतु प्रयास करना चाहिये। उन्होंने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन की मुक्त कण्ठ से प्रशंसा करते हुए आयोजन में सन्नद्ध सभी व्यक्तियों को बधाई दी। इस अवसर पर मन्चासीन अतिथियों द्वारा विश्वविद्यालय के नवनिर्मित कुलगीत का विमोचन किया गया। अन्त में माननीय कुलपति महोदय के द्वारा ध्वजावरोहण व राष्ट्रीयगान के साथ कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई।



आयुर्विश्व - 2017 में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम

क्र. सं.	प्रतियोगिता	विजेता	उपविजेता	8.	पोएट्री	जीशान, राजपुताना यूनानी मेडिकल कॉलेज, जयपुर	स्वप्निल, स्नातक वर्ग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद,जोधपुर
1.	क्रिकेट	पंजाब आयुर्वेद कॉलेज, गंगानगर	शिरडी साई आयुर्वेद कॉलेज, रेनवाल	9.	100 मी . दौड़ एवं	(छात्र वर्ग) नरेंद्र सिंह शेखावत, स्नातकोत्तर वर्ग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद,जोधपुर	अशफाक़ खान, स्नातक वर्ग, मदन मोहन राज . आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर
2.	वॉलीबाल	स्नातक वर्ग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर	स्नातक वर्ग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद, जोधपुर		(छात्रा वर्ग)	अभिता पुनिया, स्नातक वर्ग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद,जोधपुर	सुनिता सैनी, स्नातक वर्ग, मदन मोहन राज . आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर
3.	टेबल टेनिस	छात्र एकल गणेश शर्मा, स्नातक वर्ग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद,जोधपुर	मनीष सैनी, स्नातकोत्तर वर्ग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर	10	लॉन्ग जम्प	छात्र नरेंद्र सिंह शेखावत, स्नातकोत्तर वर्ग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद,जोधपुर	जितेंद्र मालव , स्नातक वर्ग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद,जोधपुर
		छात्र युगल गणेश एवं अरविंद, स्नातक वर्ग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद,जोधपुर	मनीष एवं नमिता स्नातकोत्तर वर्ग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर			छात्रा वर्ग अभिता पुनिया, स्नातक वर्ग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद, जोधपुर	सुनिता सैनी, स्नातक वर्ग, मदन मोहन राज . आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर
		छात्रा एकल रेणु कोटिया, स्नातक वर्ग, मदन मोहन राज. आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर	ऐश्वर्या, आयुर्वेद विश्व भारती, सरदारशहर				
		छात्रा युगल रेणु एवं आकांक्षा, स्नातक वर्ग, मदन मोहन राज. आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर	ऐश्वर्या एवं अंकिता, आयुर्वेद विश्व भारती, सरदारशहर				
		मिश्रित युगल आकांक्षा एवं सुरेश मीना, स्नातक वर्ग, मदन मोहन राज . आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर	रेणुका एवं अंकित, स्नातक वर्ग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद,जोधपुर	11.	रंगोली	मुकेश एवं अनिता – पंजाब आयुर्वेद कॉलेज, गंगानगर।	शबीना एवं मिशब – यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी, टोंक एवं मानवी एवं रमा, स्नातकोत्तर वर्ग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद,जोधपुर
4.	बैडमिन्टन	छात्र एकल अलकेश कुमारवत, स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक महाविद्यालय, जयपुर	राजदीप, श्री शिरडी साई बाबा आयुर्वेद कॉलेज, रेनवाल, जयपुर	12.	गायन	एकल गायन मयूख शर्मा, स्नातकोत्तर वर्ग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद,जोधपुर	आदित्य पांडा, पंजाब आयुर्वेद कॉलेज, श्रीगंगानगर
		छात्र युगल रवीन्द्र एवं विशाल, स्नातकोत्तर वर्ग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर	अलकेश एवं जयसूर्या , स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक महाविद्यालय, जयपुर		समूह गायन	स्नातकोत्तर वर्ग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद,जोधपुर, स्नातक वर्ग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद,जोधपुर एवं स्नातकोत्तर वर्ग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर	आयुर्वेद विश्व भारती, सरदारशहर
		छात्रा एकल चैष्ठा गौतम, श्री शिरडी साई बाबा आयुर्वेद कॉलेज, रेनवाल, जयपुर	सविता, स्नातक वर्ग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद,जोधपुर				
		छात्रा युगल सविता सुरा एवं पूजा यादव, स्नातक वर्ग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद,जोधपुर	चैष्ठा एवं पलक, श्री शिरडी साई बाबा आयुर्वेद कॉलेज, रेनवाल, जयपुर	13.	नृत्य	एकल नृत्य अपेक्षा गौतम, स्नातक वर्ग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद,जोधपुर	प्रांतिका सिंह, स्नातक वर्ग, मदन मोहन राज . आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर
		मिश्रित युगल आरिफ खान एवं नेहा, स्नातक वर्ग, मदन मोहन राज . आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर	राजदीप एवं चैष्ठा , श्री शिरडी साई बाबा आयुर्वेद कॉलेज, रेनवाल, जयपुर		समूह नृत्य	श्री शिरडी साई बाबा आयुर्वेद कॉलेज, रेनवाल, जयपुर	स्नातक वर्ग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद,जोधपुर एवं स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक महाविद्यालय, जयपुर
5.	शतरंज		रोहित सैनी, आयुर्वेद विश्व भारती, सरदारशहर	14.	संभाषण	करिश्मा, स्नातकोत्तर वर्ग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर	पीयूषिका, आयुर्वेद विश्व भारती, सरदारशहर
6.	कैरम	एकल बिलाल अहमद, राजस्थान यूनानी मेडिकल कॉलेज, जयपुर	चेतन भारद्वाज, स्नातक वर्ग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर				
		युगल हरिप्रसाद एवं चंद्रप्रकाश, स्नातकोत्तर वर्ग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर	नीलम एवं दीपाली, स्नातक वर्ग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर				
7.	कबड्डी		स्नातक वर्ग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर				

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गाँव बावड़ी में चिकित्सा शिविर का आयोजन

विश्वविद्यालय द्वारा गाँव बावड़ी में दिनांक 26.7.2017 को चिकित्सा शिविर आयोजन किया गया। इस शिविर में लोगों को निःशुल्क चिकित्सा परामर्श और औषधियों का वितरण किया गया। साथ ही रोगियों को स्वस्थ रहने हेतु योग एवं आयुर्वेद में वर्णित स्वस्थवृत्त के साथ साथ दिनचर्या एवं ऋतुचर्या के बारे में भी विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर माननीय कुलपति महोदय ने ग्रामवासियों को विश्वविद्यालय में उपलब्ध चिकित्सा सेवाओं का अधिकाधिक उपयोग करने हेतु प्रेरित किया। माननीय कुलपति महोदय ने इस अवसर पर स्वयं ने भी रोगियों को चिकित्सा परामर्श दिया। इस चिकित्सा शिविर में डॉ. रश्मि शर्मा, डॉ. विष्णुदत्त शर्मा एवं डॉ. ब्रह्मानन्द शर्मा ने भी उपस्थित रोगियों को चिकित्सा परामर्श उपलब्ध करवाया।



विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा संपादित कार्यक्रम

दिनांक 22.8.2016 को राजस्थान पत्रिका के कार्यक्रम हरयालो राजस्थान एवं द्रव्यगुण विभाग तथा राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई के संयुक्त तत्त्वावधान में विश्वविद्यालय परिसर में लगभग 500 औषधीय पादप लगाये गये। इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये ग्राम घड़ाव में भी श्रमदान एवं पौधारोपण कार्य किया गया।

दिनांक 28.8.2016 को विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय भवन के चारों ओर पुस्तकालय प्रभारी डॉ0 राकेश शर्मा तथा एन.एस.एस कार्यक्रम के अधिकारी डा० दिनेश चन्द्र शर्मा के निर्देशन में एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने साफ-सफाई की। इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रो० राधेश्याम शर्मा, प्राचार्य गोविन्द सहाय शुक्ल एवं सभी संकाय सदस्यों ने वृक्षारोपण किया।

दिनांक 17.9.2016 को विश्वविद्यालय परिसर में एकदिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें एन.एस.एस. स्वयंसेवकों, छात्र-छात्राओं एवं संकाय सदस्यों ने रक्तदान किया।

जोधपुर के खेजड़ली ग्राम में लगने वाले शहीदी दिवस मेले में एन.एस.एस. स्वयंसेवकों द्वारा 'नशामुक्ति रैली' का आयोजन किया गया।

दिनांक 23 मई 2017 को विश्वविद्यालय परिसर में एन.एस.एस. की ओर से स्वच्छता एवं वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माननीय कुलपति महोदय प्रो. राधेश्याम शर्मा, प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल, प्रो. महेन्द्र शर्मा, डॉ. गोविन्द गुप्ता, डॉ. विजय पाल त्यागी, एन.एस.एस. प्रभारी डॉ. मनोज अदलखा सहित कई संकाय सदस्य एन.एस.एस. स्वयंसेवक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

दिनांक 4 जुलाई 2017 को एन.एस.एस. व द्रव्य गुण विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में विश्वविद्यालय के हर्बल गार्डन में माननीय कुलपति महोदय द्वारा देवशयनी एकादशी के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस अवसर पर रक्तचन्दन, श्यामा तुलसी, दाढ़िम, आवर्तकी आदि के 1500 पौधों का आरोपण किया जाएगा। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल, प्रो. ओ.पी. दवे, द्रव्य गुण विभाग अध्यक्ष डॉ. चन्दन सिंह, एन.एस.एस. प्रभारी, डॉ. मनोज अदलखा, डॉ. एल.एन. शर्मा, डॉ. राजेन्द्र पूर्विया सहित बड़ी संख्या में संकाय सदस्यों, अधिकारियों, कर्मचारियों व छात्रों ने वृक्षारोपण किया।

दिनांक 20 व 25 जुलाई 2017 द्रव्य गुण विभाग व एन.एस.एस. के तत्त्वावधान में विश्वविद्यालय परिसर में औषधीय पौधों का आरोपण माननीय कुलपति महोदय के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल, प्रो. महेन्द्र शर्मा, द्रव्य गुण विभाग अध्यक्ष डॉ. चन्दन सिंह, एन.एस.एस. प्रभारी, डॉ. मनोज अदलखा, डॉ. एल.एन. शर्मा, डॉ. राजेन्द्र पूर्विया सहित बड़ी संख्या में संकाय सदस्यों, एन.एस.एस. स्वयंसेवकों, कर्मचारियों व छात्रों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया।

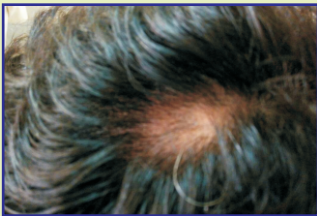


Ayurvedic Management of Alopecia (Khalitya)

A case study by Dr. Anamika Soni, Assistant Professor, Dept. of Kayachikitsa

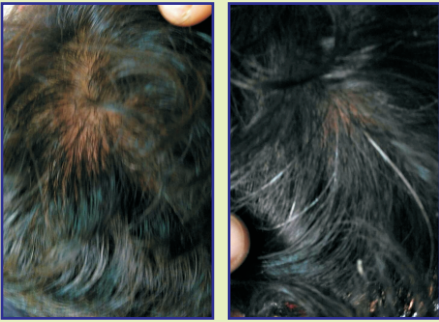
Alopecia is a very challenging and capricious disease which affects approximately 1.7% of world population & can cause profound effect to the physical & emotional state of a person. In Ayurveda texts, three terms are used for this disease i.e. Khalitya, Indralupta & Ruhyam. Where there is a limited and non-satisfactory treatment of this condition is available in modern medicine, Ayurvedic treatment shows good results.

An 18 year old male patient visited the OPD of Kayachikitsa in University Hospital (Hospital Registration No. 51757) on 11-11-2016 with complaint of sudden hair loss and bald patches of 2 to 2.5 cm of size on scalp for last 3 months. In Family History and Past History nothing was significant. Personal history depicted excessive use of spicy, fried, junk & fast food with irregular dietary and sleep habits. Patient was advised Ayurvedic medication as follows for 1.5 months and Shirodhara for 15 days with Sesame oil. Ayurvedic line of treatment comprised mainly Pitta Shamaka, Sroto-shodhana and Rasayana treatment.



Treatment

- Giloya Churna – 2 gm
- Madhuyashti Churna -2 gm
- Kasisa Bhasma – 250 mg
- Amalaki Rasayan – 1gm
- BID with luke warm water
- Panchatikta Ghrita Guggulu- 2 Tabs TDS.
- Mahamanjishthadi Kwath- 10 gm BID
- Draksharishta – 200ml with equal quantity of water after meals
- Kutaki Vati – 2 Tabs. HS with luke warm water
- Danil Hair Oil – L/A



Photographs were taken before and 1½ month after the treatment. Remarkable improvement was noticed during this period. Bald patches were resolved & Hair Fall was completely stopped. So it can be concluded that Ayurveda therapy has remarkable results in patients of Alopecia i.e. Khalitya.

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध संस्थाएं

S.No .	Name of Colleges / Universities	Courses & Admission	Telephone Numbers
1	National Institute of Ayurveda, Madhav Vilas Palace, Amer Road, Joravar Singh Gate, Jaipur	B.A.M.S. 92 M.D. 104	0141-2635816 2635740, EPBX 2635744, Fax
2	Madan Mohan Malviya Govt. Ayurveda College,Amba Mata Road,Udaipur	B.A.M.S. 60 M.D. 15	0294-2431900/ Hospital 431800
3	Bhanwar Lal Duggad Ayurveda Vishva Bharti,Gandhi Vidhya Mandir,Sardar Shahar, Churu	B.A.M.S. 50	(O) 1564-220716 (R) 1564-220716, 9829219854
4	University College of Ayurved, Dr. S.R. Rajasthan University Campus, Kadvad, Nagaur Road, Jodhpur	B.A.M.S. 100 MD/MS -30	(O) -0291-5153720,5153721
5	Punjab Ayurved Medical College & Hospital, 43 M.M.S. Hanuman Garh Road, Morjanda Khari, Sri Ganganagar	B.A.M.S. 50	01503-277650 (M) -9462400049
6	Sekhawati Ayurved College, Pilani Goshala Road (Phadi ke pas), Pilani, Jhunjhunu	B.A.M.S. 50	(O) 01596-242796 9887871752
7	Shirdi Sai Baba Ayurved College & Hospital, Mundiya Garh, Kishan Garh, Renwal, Jaipur	B.A.M.S. 50	01424-220013 99287-92543
8	Mahatma Jyotiba Phoole Ayurved College,Chaumu Distt.- Jaipur	B.A.M.S. 100	01423-222586 9829793001
9	Kala Asram Ayurved College, Vill. Basnra, Gogunda, Udaipur	B.A.M.S. 60	9784126000 9414157457

Homoeopathy Colleges

1	Swasthya Kalyan Homoeopathy Medical College & Research Institute, C/o Swasthya Kalyan Bhawan, 10th-	B.H.M.S. 100	0141-2575215, 0141-2573935
2	Yuvraj Pratap Singh Memorial Homeo. Medical College, Hospital & ResearchCentre, Shivaji Park, Alwar (Raj.)	B.H.M.S. 75	0144- 2730013 9829215855
3	Bhartiya Homoeopathic Medical College and Hospital, B Narayan Gate, Bharatpur	B.H.M.S. 40	05644-223372 9414025806
4	Shri Mangilal Nirvan Homoeopathic Medical College and Research Centre, Jaipur-Jodhpur by Pass, Near	B.H.M.S. 75	0151-2202270 0151-2544122 9414801419

Unani Colleges

1	Rajputana Unani Medical College, Hospital & Research Centre, Gujjar Mohalla,	B.U.M.S. 50	9414053168 0141-2631435
2	Rajasthan Unani Medical College and Hospital, Jagdamba, Palri Meena, Agra Road, Jaipur	B.U.M.S. 40	9309221932 0141-2680115
3	University Unani Medical College, Bagghikhana,Tonk	BUMS 50	Dr. Mahendra Singh 97822767067,9610927067

Yoga & Naturopathy Colleges

1	Vivekanand Yoga & Naturopathy College. Bajor, Sikar	B.N.Y.S. 50	9799999261
2	Yoga and Naturopathy College, Mangalwad, Chouraha, Chittaurgarh	B.N.Y.S. 40	9414857959
3	Swasthya Kalyan Institute of Natuorpathy & Yogic Science C/o Swasthya Kalyan Bhawan, 10th-A,	B.N.Y.S. 50	0141-2575215

BSc. Ayurved Nursing & Diploma in AYUSH Nursing & Pharmacy (DAN & P) AYUSH Nursing Training Centres

1	University Ayurved Nurse/Com. Training Centre, DSRRAU, Kadvad, Nagaur Road, Jodhpur	BSc. Ayurved Nursing 50 DAN & P- 40	0291-5153722 9413324758 9799625739
2	University Ayurved Nurse/Com. Training Centre, Punjla, Jodhpur	DAN & P- 60	0291-2571368
3	Govt. Ayurved Nurse/Com. Training Centre and Affiliate Hospital, Maharshi Dyanand Sarasvaty University Choraha, kayad	DAN & P- 60	9414468137 0145-2788130
4	Ayurved Nurse/Com. Training Centre, National Institute of Ayurveda, Madhav Vilas Palace, Amer Road, Jorawar Singh Gate, Jaipur	DAN & P- 30	0141-2635816
5	B.M. Education Foundation Trust Ayurved Nurse/Com. Training Centre, Harikunj, Ganga Colony, Pilani, Jhunjhunu (Private)	DAN & P- 40	9314461983

स्वत्त्वाधिकारी डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के लिए डॉ. राकेश कुमार शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, रचना शारीर विभाग द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित तथा विजय प्रिन्टर्स, त्रिपोलिया बाज़ार, जोधपुर से मुद्रित एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, कड़वड़ नागौर रोड, जोधपुर से प्रकाशित। सम्पादक: डॉ. राकेश कुमार शर्मा

6	G.T. Ayurved Unani University Research Centre Nurse/Com., Training Centre, South West Block, Near the	DAN & P- 60	9829215855 0144-2332222
7	Baba Narayandas Ayurved Nurse/Com. Training Centre, Jhajhd Road, Near Chungi Naka-4, Navalgarh-333042	DAN & P- 40	01594-224800 9314758161
8	Shivpyari Ruthala Ayurved Vikas Sansthan, Navalgarh Nurse/Comp. Training Centre, Near Govt. Mor Balika	DAN & P- 40	01594-224410 01594-225994
9	Mewar Education Society, Chittorgarh Nurse/Comp. Training Centre Sector 5, Gandhi Nagar, Chittorgarh	DAN & P- 50	01472-251101,102,103 9414436626
10	Kala Asram, Udaipur Nurse/Comp. Training Centre, Vill. Basnra, Gogunda, Udaipur	DAN & P- 40	0294-2553456 9414157457
11	Rajeev Gandhi Ayurved Nurse/Comp. Training Centre, Bayana Road, Banki Sadak, Near Naka No. 5	DAN & P- 40	07469-230580 9413923469
12	Marwar Health Care Society , Ayurved Nurse/Comp. Training Centre,Marwar Hospital, Kuchaman City, Dist.	DAN & P- 40	01586-221518 9414813275
13	Choudhary Charansingh Medical S.P.S. Ayurved Nurse /Comp. Training Centre, 1-N-3 (North Station), Matsya	DAN & P- 40	9828525080 0144-2886262
14	Upchar Medicare Society, Ayurved Nurse/Comp. Training Centre, 115 Tagour Path, Section 11 Agarwal Farm,	DAN & P- 40	9829047443 0141-5178416
15	Rajeev Gandhi Ayurved Nurse/Comp. Training Centre, Keshavpura,Basant Bihar Road, Kota	DAN & P- 40	0744-2503424 0744-2401324
16	Bharti Bal Mandir Samiti, Ayurved Nurse/Comp. Training Centre, A-10, New Ramgarh Road, Jaipur	DAN & P- 40	0141-2612231 9828532859
17	Sarvodaya Ayurved Nurse / Compounder Training Centre , Kenal Road,Motunda, Bundi	DAN & P- 40	9251827116 9214344786
18	Ambika Vikas Sansthan Ayurved Nurse / Compounder Training Centre ,22-23 Saraswati Nagar, Basani Ist Fes,	DAN & P- 40	0291-2721316 0291-2720635
19	Madhuban Shikshan Sansthan Ayurved Nurse / Compounder Training Centre , 2 BHA 23, Madhuban	DAN & P- 40	0291-2721293 9829023399
20	Om shiv Ayurved Nurse / Compounder Training Centre , Mangalward Choraha, Chittaurgarh	DAN & P- 40	01470-246310 9461505249
21	Aditi Vikas Nurse / Compounder Training Centre ,Sikar Hospital, Near Kalyan Sarkil, Sikar	DAN & P- 40	9413110245
22	Ummed Singh Bhati Shiksha Samiti Nurse / Compounder Training Centre , G-192, RICO Colony, Opp. LIC Office,	DAN & P- 40	9426033007 02974226686
23	Dhanwantri Ayurved Nurse / Compounder Training Centre, Jhunjhunu- Jaipur by pass, Near Piprali Sarkil,	DAN & P- 40	9414080500 01572-248500
24	Sushrut Ayurved Nurse / Compounder Training Centre, Satsang Bhawan Marg, Baran	DAN & P- 40	07453-236424 9414331468
25	Mahatma Jyotiba Phoole Ayurved Nurse / Compounder Training Centre ,Chaumu Distt.- Jaipur	DAN & P- 40	01423-222586 9829793001
26	Naurang Ram Dayanand Dhukiya Ayurved Nurse / Compounder Training Centre, Malsisar Road, Jhunjhunu	DAN & P- 40	01592-234705 01592-237606
27	Arihant Ayurved Nurse / Compounder Training Centre, Ujwal Vihar, Borkhera, baran Road, Kota 324001	DAN & P- 40	07442450044 9414189715
28	Shri Ram Ayurved Nurse / Compounder Training Centre, Bagrana, Post-Kanota, Distt- Jaipur	DAN & P- 40	0141-5121031 0141-2680152

बुक पोस्ट

भारत सरकार की सेवाएँ

सेवा में